▪ RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 340 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 08-07-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 राम मंदिर ट्रस्ट के कार्य में किसी का हस्तक्षेप नहीं : योगी

6 यूपी में 2027 से पहले राम के नाम पर छिड़ी नई सियासी जंग

7 हेमा मालिनी को कैसे मिला था 'ड्रीम गर्ल' का नाम?

फर्स्ट टेक

एक दशक से अधिक समय बाद सीरिया और फ्रांस फिर नियुक्त करेंगे राजदूत

दमिश्क/एपी। सीरिया और फ्रांस के राष्ट्रपतियों ने घोषणा की है कि दोनों देशों ने एक दशक से अधिक समय बाद फिर से अपने-अपने राजदूत नियुक्त करने पर सहमति बना ली है। इसे वर्षों तक चले गृहयुद्ध से उबर रहे सीरिया के लिए राजनयिक संबंधों की बहाली की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की दमिश्क की ऐतिहासिक यात्रा के दौरान उन्होंने और सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शरा ने संयुक्त प्रेस वार्ता में यह घोषणा की। यह घोषणा ऐसे समय हुई जब कुछ घंटे पहले ही सीरिया की राजधानी दमिश्क में विस्फोट हुए। अल-शरा ने कहा, ''हमारी यह मुलाकात एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है।''

एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट आने के बाद ही सभी आरोपों का जवाब दूंगा : चंपत राय

अयोध्या/भाषा। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय ने मंगलवार को राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले पर चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा अंतिम रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद ही वह उनपर लगाए गए सभी आरोपों का जवाब देंगे। राय ने 'राम भक्तों' को संबोधित करते हुए एक पत्र में लिखा, सात जून को मंदिर की दान पेटियों से दान की गिनती के दौरान कथित चोरी की घटना के बाद से इस मामले को लेकर चर्चा जारी थी और उनके खिलाफ व्यक्तिगत रूप से 'निराधार आरोप' लगाए गए। उन्होंने कहा कि एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट ट्रस्ट की आम बैठक से पहले पेश की गई थी। राय ने कहा कि जिस रिपोर्ट को शुरुआत में 'अत्यंत गोपनीय' रखा गया था, उसे अब सार्वजनिक कर दिया गया है।

होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे तीन जहाजों पर हमला : ब्रिटिश सेना

दुबई/एपी। ब्रिटिश सेना ने कहा कि मंगलवार को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे तीन जहाजों को निशाना बनाया गया। हाल के दिनों में फारस की खाड़ी के संकरे मुहाने से गुजरने वाले कई जहाजों पर हमले हुए हैं। हालांकि, इन हमलों की जिम्मेदारी किसी ने नहीं ली है, लेकिन माना जा रहा है कि इनके पीछे ईरान का हाथ हो सकता है। 'यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन्स' ने बताया कि होर्मुज जलडमरूमध्य में ड्रोन से निशाना बनाए गए तीसरे जहाज को मामूली नुकसान पहुंचा, लेकिन उसमें सवार कोई व्यक्ति हताहत नहीं हुआ। उसने बताया कि हमले के बाद भी जहाज ने अपनी यात्रा जारी रखी। इससे पहले, यूकेएमटीओ ने बताया था कि होर्मुज जलडमरूमध्य से ओमान की खाड़ी की तरफ जा रहे एक टैंकर को एक प्रक्षेपास्त्र से निशाना बनाया गया।

08-07-2026 सूर्यास्त 6:30 बजे | 09-07-2026 सूर्योदय 5:50 बजे

BSE	NSE
78,180.72	24,398.70
(-104.35)	(-31.65)

सोना	चांदी
15,108 रु.	240,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

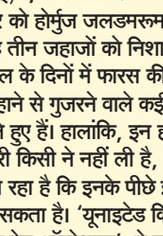

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

भ्रम जाल

खुद को अवतारी परम पुरुष ,
बाबा बतलाते रहते हैं।
कष्टों के मुक्ति प्रदाता बन,
छल से भरमाते रहते हैं।
उस निराकार को पाने हित,
हम दाँव लगाते रहते हैं।
झूठों के झाँसों में फँस कर,
बस सदा ठगाते रहते हैं।।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इंडोनेशिया की संसद के एक सत्र के दौरान ।

भारत विकास का रास्ता अपनाता है, विस्तारवाद का नहीं : मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने इंडोनेशिया की संसद में कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जकार्ता/भाषा। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के विस्तारवादी रवैये को लेकर दक्षिण-पूर्व एशिया में बढ़ती चिंताओं के बीच, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को इंडोनेशिया की संसद में कहा कि भारत विकास का रास्ता अपनाता है, विस्तारवाद का नहीं। राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो और वरिष्ठ मंत्रियों सहित सांसदों को संबोधित करते हुए मोदी ने दोनों देशों के बीच संबंधों को और बढ़ाने का आह्वान किया और कहा कि जब भारत के 140 करोड़ लोग और इंडोनेशिया के 29 करोड़ नागरिक मिलकर साझा समृद्धि के लिए आगे बढ़ेंगे तो दुनिया इतिहास बनते हुए देखेगी। प्रधानमंत्री ने कहा, ''भारत एक स्वतंत्र, खुले और समावेशी हिंद-प्रशांत का पुरजोर समर्थक है। भारत हिंद-प्रशांत में नौवहन की स्वतंत्रता में विश्वास करता है।'' उन्होंने कहा, ''भारत एक ऐसा देश है जो विकास के रास्ते पर चलता है, विस्तारवाद के नहीं।'' यह बात उन्होंने दक्षिण चीन सागर और उसके बाहर चीन की बढ़ती सैन्य ताकत के प्रदर्शन को लेकर दक्षिण-पूर्व एशिया में बढ़ती चिंताओं के संदर्भ में कही।

अपने संबोधन में, मोदी ने 1950 के दशक से भारत-इंडोनेशिया संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर बात की, जिसमें यह भी शामिल था कि कैसे दोनों देशों ने 1955 के प्रसिद्ध बांडुंग सम्मेलन में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि कई क्षेत्रों में दोनों पक्षों के लिए असीमित अवसर' मौजूद हैं। इंडोनेशिया द्वारा आयोजित 1955 के बांडुंग सम्मेलन में विश्व शांति को बढ़ावा देने और नव-स्वतंत्र देशों के बीच सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए 29 एशियाई और अफ्रीकी देशों के नेता एक साथ आए थे। इसे व्यापक रूप से शीत युद्ध के दौरान गुटनिरपेक्ष आंदोलन की नींव रखने वाला माना जाता है।

मोदी ने अपने संबोधन में कहा, ''भारत और इंडोनेशिया के लिए, समुद्र कभी भी दूरी पैदा करने वाला नहीं रहा है। यह हमेशा हमारे देशों के बीच एक सेतु रहा है और हमारे साझा भविष्य के केंद्र में बना हुआ है।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''जब भारत और इंडोनेशिया एक साथ खड़े होते हैं, तो वे दुनिया के इस विश्वास को मजबूत करते हैं कि लोकतंत्र अवसर पैदा करता है, लोकतंत्र विश्वास बनाता है और लोकतंत्र भविष्य को आकार देता है।'' मोदी ने कहा कि भारत, इंडोनेशिया और हिंद महासागर ऐसे नाम हैं जो दोनों देशों को जोड़ने वाले गहरे संबंधों को दर्शाते हैं।

उन्होंने कहा, ''भारत और इंडोनेशिया के बीच जो सद्भावना और विश्वास है, उससे हमारे नागरिकों के लिए नए अवसर पैदा होने चाहिए।'' प्रधानमंत्री ने संयुक्त कार्य समूह के मौजूदा ढांचे के तहत दोनों देशों के बीच आतंकवाद-रोधी सहयोग के बारे में भी बात की।

मोदी को इंडोनेशिया का सर्वोच्च सम्मान प्रदान किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जकार्ता/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भारत और इंडोनेशिया के बीच संबंधों को मजबूत करने में उनकी भूमिका के लिए मंगलवार को इंडोनेशिया का सर्वोच्च सम्मान बिन्तांग आदिपूर्ण ऑफ द रिपब्लिक ऑफ इंडोनेशिया' प्रदान किया गया। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने मोदी को यह पदक प्रदान किया। प्रधानमंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''आज सुबह, मुझे बहुत स्नेह के साथ इंडोनेशिया का सर्वोच्च सम्मान भी प्रदान किया गया है। यह सम्मान कोटि-कोटि भारतवासियों का है... इंडोनेशिया के लोगों की भावनाओं का है, भारत और इंडोनेशिया के ऐतिहासिक और आत्मीय संबंधों का है।'' मोदी ने कहा, ''मैं राष्ट्रपति प्रबोवो, इंडोनेशिया की सरकार और यहां की जनता का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।'' विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि यह पुरस्कार भारत-इंडोनेशिया के ''मैत्रीपूर्ण संबंधों का प्रतीक'' है।

इंडोनेशिया को ब्रह्मोस मिसाइलों की आपूर्ति करेगा भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जकार्ता/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के बीच मंगलवार को हुई वार्ता में इंडोनेशियाई सैन्य बलों को ब्रह्मोस मिसाइलों की आपूर्ति, समुद्री सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने और महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति शृंखला को सुदृढ़ बनाने पर सहमति बनी। दोनों पक्षों ने महत्वपूर्ण खनिज, प्रौद्योगिकी, खाद्य सुरक्षा, दवाओं और समुद्री सुरक्षा सहित कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा देने के लिए कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए। मोदी 2018 की भारत-इंडोनेशिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत व्यापार तथा

सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करने के उद्देश्य से तीन देशों की अपनी यात्रा के पहले चरण के तहत सोमवार को जकार्ता पहुंचे, जहां उनका भव्य स्वागत किया गया।

ऐसा समझा जाता है कि दोनों देशों के रक्षा संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में इंडोनेशिया ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान इस हथियार की सफलता के बाद हवा से हवा में प्रहार करने वाली अस्त्र' मिसाइलों का भारत से आयात करने का फैसला किया है। महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति शृंखला को मजबूत करने के लिए, भारत ने इंडोनेशिया में इस्पात, निकल और दुर्लभ स्थायी चुंबकों के निर्माण में निवेश करने का फैसला किया।

भारत और इंडोनेशिया ने सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण सबांग बंदरगाह का संयुक्त रूप से विकास करने पर भी सहमति जताई। यह बंदरगाह मलक्का जलडमरूमध्य के निकट स्थित है और भारत की ग्रेट निकोबार बंदरगाह परियोजना से लगभग 100 मील की दूरी पर है। वार्ता के बाद अपने मीडिया बयान में मोदी ने कहा, 2018 में बनी हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी आज एक नई उड़ान ले रही है। हम विकास, सुरक्षा, प्रौद्योगिकी, संस्कृति और शिक्षा.. हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा, ''मुझे विश्वास है, आज से भारत-इंडोनेशिया साझेदारी का एक सुनहरा अध्याय शुरू होगा।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और इंडोनेशिया के बीच बढ़ता विश्वास द्विपक्षीय रक्षा, सुरक्षा और समुद्री सहयोग को मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा, आज हमने रक्षा आदान-प्रदान, आपदा प्रबंधन और औद्योगिक सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनाई।

एनसीईआरटी ने संशोधित पाठ्यपुस्तक जारी की, न्यायपालिका पर विवादित अध्याय में बदलाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यायिक व्यवस्था के समक्ष चुनौतियां शीर्षक वाला खंड पूरी तरह हटा दिया गया है। इस हिस्से में अदालतों में लंबित मामलों के भारी बोझ का उल्लेख किया गया था और इसके लिए न्यायाधीशों की कमी, जटिल प्रक्रियाओं तथा कमजोर बुनियादी ढांचे को जिम्मेदार बताया गया था। इसके अलावा, न्यायपालिका में भ्रष्टाचार नाम का हिस्सा भी हटा दिया गया है, जिसमें भारत के पूर्व प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई का जिक्र था कि उन्होंने न्यायिक व्यवस्था में भ्रष्टाचार और कदाचार के मामलों को स्वीकार किया था।

नई दिल्ली/भाषा। न्यायपालिका को कथित तौर पर बदनाम करने को लेकर विवाद खड़ा होने के कुछ महीनों बाद, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने कक्षा आठवीं की सामाजिक विज्ञान की संशोधित पाठ्यपुस्तक जारी की है, जिसमें विवादित हिस्सों को हटा दिया गया है। संशोधित पाठ्यपुस्तक में विवादित हिस्सों के साथ-साथ अदालतों में लंबित मामलों और दो महत्वपूर्ण न्यायिक फैसलों से जुड़े संदर्भों को हटा दिया गया है। वहीं, इसमें जनहित याचिका, न्यायाधिकरणों और वैकल्पिक विवाद निपटान तंत्र से संबंधित नई सामग्री जोड़ी गई है। अध्याय की शुरुआत में दिए गए ''बड़े सवाल'' खंड में भी बदलाव किया गया है। वापस ली गई पाठ्यपुस्तक में छात्रों से पूछा गया था कि स्वतंत्र न्यायपालिका क्यों आवश्यक है, जबकि संशोधित अध्याय में अब यह प्रश्न किया गया है कि ''न्यायपूर्ण और सामंजस्यपूर्ण समाज'' के लिए न्याय क्यों महत्वपूर्ण है।

न्यायिक व्यवस्था के समक्ष ''चुनौतियां'' शीर्षक वाला खंड पूरी तरह हटा दिया गया है। इस हिस्से में अदालतों में लंबित मामलों के ''भारी बोझ'' का उल्लेख किया गया था और इसके लिए न्यायाधीशों की कमी, जटिल प्रक्रियाओं तथा कमजोर बुनियादी ढांचे को जिम्मेदार बताया गया था। इसके अलावा, ''न्यायपालिका में भ्रष्टाचार'' नाम का हिस्सा भी हटा दिया गया है, जिसमें भारत के पूर्व प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई का जिक्र था कि उन्होंने न्यायिक व्यवस्था में ''भ्रष्टाचार और कदाचार'' के मामलों को स्वीकार किया था।

फरवरी में एनसीईआरटी की कक्षा आठवीं की सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक में न्यायपालिका में ''भ्रष्टाचार'' खंड को लेकर विवाद खड़ा हो गया था। उच्चतम न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद पाठ्यपुस्तक की मुद्रित और डिजिटल प्रतियां वापस ले ली गई थीं और एनसीईआरटी ने इस मामले में माफी भी मांगी थी।

वायनाड भूस्खलन में एक की मौत, सात घायल : सतीशन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री वी. डी. सतीशन ने मंगलवार को कहा कि वायनाड जिले के कल्लाडी में हुए भूस्खलन में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि सात अन्य घायल हुए हैं और सात लोग लापता हैं। यह भूस्खलन कल्लाडी में मीनाक्षी पुल के पास हुआ, जहां कोझिकोड और वायनाड जिलों को जोड़ने वाली सुरंग सड़क परियोजना का काम चल रहा था। सतीशन ने यहां संवाददाताओं से कहा कि लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के मंत्री पी. के. बशीर और जिलाधिकारी ने ठेकेदारों को क्षेत्र में बड़ी मात्रा में जमा मिट्टी के मलबे को हटाने के निर्देश काफी पहले ही दे दिए थे।

केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (केएसडीएमए) के कार्यालय में अधिकारियों के साथ स्थिति की समीक्षा करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा, हालांकि, ठेकेदारों ने इन निर्देशों का पालन नहीं किया।

उन्होंने कहा, यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। बचाव प्रयास जारी हैं। पत्रकारों के सवालों के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि मौसम संबंधी उचित चेतावनी जारी नहीं होना भूस्खलन का कारण नहीं था, बल्कि अधिकारियों के निर्देशों के अनुसार समय पर मिट्टी नहीं हटाए जाने की वजह से यह घटना हुई।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला

तीन आरोपियों को पुलिस हिरासत में भेजा गया

अयोध्या/भाषा। उत्तर प्रदेश के अयोध्या जिले की एक अदालत ने राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले में गिरफ्तार आठ आरोपियों में से तीन को मंगलवार को एक दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, अदालत ने अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा

और करुणेश पांडे को पुलिस हिरासत में भेज दिया। इससे पहले अदालत ने 29 जून को सभी आठ आरोपियों को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा था। अभियोजन पक्ष के अनुसार, पांच जुलाई को जेल में बंद पांच अन्य आरोपियों से पूछताछ के दौरान मिली नई जानकारियों से तीनों आरोपियों का सामना कराने के लिए उनसे हिरासत में पूछताछ की आवश्यकता थी।

116 वर्षीय महिला दर्शन के लिए पैदल तिरुमला पहुंची : टीटीडी

तिरुपति/भाषा। श्री वेंकटेश्वर स्वामी की '116 वर्षीय' भक्त और चेन्नई निवासी नवनीथम्मा भगवान के दर्शन के लिए पैदल तिरुमला पहुंचीं। उनकी श्रद्धा से प्रभावित होकर तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने उनके लिए विशेष इंतजाम किए। मंदिर निकाय ने यह जानकारी दी। तिरुपति में श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर की देखरेख करने वाली संस्था टीटीडी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि मंदिर निकाय के चेयरमैन के निर्देश पर सोमवार सुबह नवनीथम्मा और उनके परिवार के सदस्यों के लिए वीआईपी श्रेणी के विशेष दर्शन की व्यवस्था की गई। टीटीडी के अनुसार, दर्शन के लिए पैदल जाती हुई नवनीथम्मा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू सहित कई लोगों ने उनकी प्रशंसा की। नायडू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, जब सच्ची भक्ति की बात आती है तो उम्र वास्तव में कोई मायने नहीं रखती। भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के दिव्य दर्शन के लिए पैदल ही तिरुमला पहुंचने वाली 116 वर्षीय इस दादी को देखकर मैं पूरी तरह हैरान और प्रभावित हूं। दर्शन के बाद टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी एम. रवि चंद्र नवनीथम्मा के साथ गए, जहां पुजारियों ने उन्हें आशीर्वाद दिया और सम्मानित किया।

मुंबई में भारी बारिश से राहत; दो बच्चे डूबे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मुंबई में लगातार दो दिनों तक भारी बारिश के बाद मंगलवार सुबह इसकी तीव्रता घटने से लोगों को राहत मिली और लोकल ट्रेन व सड़क परिवहन सेवाएं सामान्य हो गईं। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि पिछले 24 घंटे में भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण दो नाबालिग लड़कों की बाढ़ के पानी में डूबने से मौत हो गई और मुंबई के एक उद्यान में सीमेंट की चादरें गिरने से दो महिलाएं घायल हो गईं। शहर भर में नगर निगम अधिकारियों ने पेड़ और उनकी शाखाएं गिरने की 428 घटनाएं और दीवार तथा घर गिरने की 28 घटनाएं दर्ज कीं, जिससे पता चलता है कि सोमवार को हुई भारी बारिश से व्यापक नुकसान हुआ है।

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि मुंबई-पुणे मार्ग पर भोर घाट खंड में भूस्खलन से क्षतिग्रस्त हुई तीन लाइनों में से एक को मंगलवार रात तक बहाल किए जाने की उम्मीद है। सोमवार को ट्रेन सेवाएं ठप होने के बाद यह एक राहत भरी खबर है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने

ऑरेंज' अलर्ट जारी करते हुए कुछ स्थानों पर रुक-रुककर भारी से बहुत भारी बारिश और 60-70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की चेतावनी दी है। अधिकारियों ने बताया कि एहतियात के तौर पर मुंबई में मंगलवार को सभी सरकारी, निजी एवं नगर निगम संचालित स्कूल एवं कॉलेज बंद रहेंगे। लगातार हो रही बारिश की वजह से सोमवार को मुंबई और आस-पास के जिलों में जनजीवन लगभग ठप हो गया। कई सड़कें पानी में डूब गईं, पेड़ उखड़ गए और दीवार व 'बिलबोर्ड' गिरने की कई घटनाएं सामने आईं। पालघर जिले का विरार-वसई खंड सोमवार सुबह से ही जलमग्न था, हालांकि शाम तक बारिश की गति धीमी पड़ने के बाद पानी का स्तर धीरे-धीरे कम हो गया। पश्चिम रेलवे के एक प्रवक्ता ने बताया कि मंगलवार तड़के 3:57 बजे विरार से दक्षिण मुंबई के चर्चगेट के लिए पहली लोकल ट्रेन रवाना हुई। मध्य रेलवे के सभी चार कॉरिडोर पर उपनगरीय ट्रेन सेवाएं कुछ देरी के साथ संचालित हो रही थीं। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने बताया कि उन्हें पेड़ और उनकी शाखाएं गिरने की 428 घटनाओं की सूचना मिली जिनमें से 111 शहर में, 126 पूर्वी उपनगरों में और 191 घटनाएं पश्चिमी उपनगरों में दर्ज की गईं। इसी दौरान दीवार या घर के कुछ हिस्से गिरने की 28 घटनाएं दर्ज की गईं। बीएमसी ने बताया कि सोमवार शाम मलाड और गोवंडी इलाकों में बाढ़ के पानी में डूबने से 17 और 14 साल के दो लड़कों की मौत हो गई।

गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में नर्मदा परियोजना के लंबित मुद्दों पर चार राज्यों में समझौता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नर्मदा नदी से जुड़े चार राज्यों मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान और महाराष्ट्र ने मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में नर्मदा परियोजना के तहत विस्थापन और भूमि मुआवजे से जुड़े दशकों पुराने मुद्दों के समाधान के लिए एक समझौते पर सहमति बना ली।

अधिकारियों ने बताया कि नर्मदा नदी परियोजना के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के विस्थापन और भूमि मुआवजे को लेकर लंबे समय से चला आ रहा विवाद अब सुलझ गया है।

उन्होंने बताया कि समझौते में शामिल सभी राज्यों ने गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व और मार्गदर्शन में आपसी सहमति से इस विवाद का समाधान करने पर सहमति जतायी।

अधिकारियों ने बताया कि हाल के दिनों में राज्यों के बीच लंबे समय से लंबित जल बंटवारे से जुड़े विवादों को सुलझाने में भी महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। इनमें हिमाचल प्रदेश के किशाऊ बांध परियोजना से जुड़ा मुद्दा तथा राजस्थान और हरियाणा के बीच जल विवाद शामिल हैं। राजस्थान और हरियाणा ने 29 जून को लगभग तीन दशक पुराने विवाद का समाधान करते हुए यमुना जल परियोजना के निर्माण और क्रियान्वयन के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसके अलावा, 16 जून को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान ने यमुना नदी के पुनर्जीवन के उद्देश्य से किशाऊ बहुउद्देशीय परियोजना के क्रियान्वयन के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने पर सहमति व्यक्त की थी।

अहमदाबाद धमाके : पीड़ित परिवारों ने 'पूर्ण न्याय' के लिए दोषियों को जल्द सजा दिए जाने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। अहमदाबाद सिलसिलेवार बम धमाकों के पीड़ितों के परिजनों ने मंगलवार को गुजरात उच्च न्यायालय के उस फैसले पर संतोष जताया, जिसमें 38 दोषियों को मृत्युदंड और 11 अन्य की उम्रकैद की सजा को बरकरार रखा गया है।

हालांकि, उन्होंने कहा कि वे सजा के शीघ्र क्रियान्वयन के जरिए ''पूर्ण न्याय'' का इंतजार कर रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों और धमाकों से बचे लोगों ने उस भयावह मंजर को याद किया। इनमें से एक ने बताया कि 18 वर्ष पहले सरकारी अस्पताल में हुए विस्फोट के बाद उसने अपने आसपास लोगों को मोम की तरह पिघलते'', जबकि धमाके के असर से कुछ शवों को पेड़ों से लटके हुए देखा था। अहमदाबाद में 26 जुलाई, 2008 को 70 मिनट के भीतर 21 सिलसिलेवार बम धमाके हुए थे जिनमें 56 लोगों की मौत हो गई थी और 200 से अधिक अन्य घायल हुए थे। शहर के कुछ अस्पतालों को भी निशाना बनाया गया था।

गुजरात उच्च न्यायालय ने बम धमाकों के मामले में विशेष अदालत के 2022 के उस फैसले को बरकरार रखा, जिसमें आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन के 38 सदस्यों को मृत्युदंड और 11 अन्य को उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। न्यायमूर्ति ए. वाई. कोगजे और न्यायमूर्ति समीर दवे की खंडपीठ ने विशेष अदालत के फैसले के खिलाफ दायर सभी अपीलों को खारिज कर दिया और सुनाई गई सजाओं की पुष्टि करते हुए उसके फैसले को बरकरार रखा। अल्पेशकुमार शाह ने अहमदाबाद के मणिनगर क्षेत्र में हुए एक विस्फोट में अपने भाई चिराग शाह को खो दिया था। उच्च न्यायालय के फैसले के बाद 'पीटीआई-भाषा' से

बातचीत में अल्पेशकुमार ने कहा, आतंकवादियों में मानवता नहीं होती, उन्हें मुकदमों के लंबे समय तक चलने का फ़ायदा नहीं मिलना चाहिए। आज गुजरात उच्च न्यायालय के फैसले से हमें उतनी ही राहत मिली है, जितनी 2022 में तब मिली थी जब विशेष अदालत ने 38 दोषियों को फांसी की सजा सुनाई थी। उन्होंने कहा, ''पुलिस, प्रशासन और जांच एजेंसियों ने बहुत अच्छा काम किया। हालांकि, मुझे लगता है कि मुकदमे में बहुत ज़्यादा समय लगा। उम्मीद थी कि न्याय बिना किसी देरी के मिलेगा। हम आज के फ़ैसले से खुश हैं और बस यही उम्मीद करते हैं कि सजा पर तेजी से अमल हो।''

घटना को याद करते हुए शाह ने बताया कि उनके भाई मणिनगर क्रॉस रोड के पास एक सड़क किनारे चाय की दुकान पर चाय पी रहे थे, तभी पास में खड़ी एक साइकिल पर टिफिन बॉक्स में छिपाकर रखे गए बम में विस्फोट हो गया। एक अन्य पीड़ित परिवार ने कहा कि न्याय में देरी, न्याय से वंचित करने के समान है, इसलिए दोषियों को जल्द से जल्द सजा मिलनी चाहिए। गुजरात के वडोदरा ज़िले के रहने वाले जगदीश अंतानी ने कहा, ''विशेष अदालत को 2022 में अपना फ़ैसला सुनाने में लगभग 14 साल लग गए और उच्च न्यायालय को अपील पर फैसला सुनाने में चार साल और लग गए। भगवान जाने, कानूनी प्रक्रिया पूरी होने में और कितने साल लगेंगे। न्याय कहां है?''

अंतानी के रिश्तेदार हिमांशु छाया, सरखेज के पास एक बस में हुए धमाके में मारे गए थे। अंतानी (80) ने कहा कि वह अपनी पत्नी रोहिणी (79) की ओर से बात कर रहे हैं, जो पार्किंसंस बीमारी से पीड़ित हैं। अंतानी ने कहा, अपने छोटे भाई की मौत से रोहिणी बिल्कुल टूट गईं। पिता के निधन के बाद उन्होंने उसे तीन वर्ष की उम्र से ही पाल-पोसकर बड़ा किया था। उसे खोने के बाद इतने सालों से उन्होंने जो दर्द सहा है, उसका कोई अंदाजा भी नहीं लगा सकता।

'बादल फटने' की चेतावनी के बीच नासिक के कई हिस्सों में भारी बारिश, गोदावरी नदी उफान पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नासिक/भाषा। 'बादल फटने' की चेतावनी के बीच मंगलवार को नासिक जिले के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हुई, जिससे गोदावरी नदी उफान पर आ गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है और बारिश से जुड़ी कोई बड़ी अप्रिय घटना नहीं हुई है। नासिक, त्र्यंबकेश्वर, इगतपुरी और सुरगाणा तहसीलों में मूसलाधार बारिश हुई, लेकिन कहीं भी बादल फटने जैसी स्थिति नहीं रही। उत्तरी महाराष्ट्र के इस जिले के अन्य हिस्सों में मध्यम बारिश दर्ज की गई। इस बीच, जिला प्रशासन ने भूस्खलन की आशंका को देखते हुए देवला तहसील के भावड़बारी घाट को यातायात के लिए बंद कर दिया है। इगतपुरी में राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की एक टीम तैनात की गई है।

जिले के अधिकारियों ने बताया कि जिस 'चक्रवात' के कारण सोमवार को पालघर जिले में करीब 450 मिमी बारिश हुई थी और जिसके त्र्यंबकेश्वर-नासिक इलाके को पार करने की आशंका थी, वह उत्तर की ओर सूरत और दक्षिण की ओर अहिल्यानगर के अकोले की तरफ खिसक गया है।

अधिकारियों ने कहा, नासिक के घाट क्षेत्रों में भारी बारिश हो रही है, लेकिन कुल मिलाकर स्थिति नियंत्रण में है। हालांकि, बादल फटने जैसी घटना की आशंका को पूरी तरह से खारिज नहीं किया जा सकता है। यह चक्रवात दक्षिण में अकोले की ओर बढ़ गया है और इसके पेठ, सुरगाणा तथा बागलाण की तरफ बढ़ने की संभावना है।

कोचीन शिपयार्ड की बिक्री पेशकश में संस्थागत निवेशकों के हिस्से को मिला पूर्ण अभिदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार की कोचीन शिपयार्ड में 5.04 प्रतिशत तक हिस्सेदारी बेचने के लिए बिक्री पेशकश (ओएफएस) में संस्थागत निवेशकों के लिए आरक्षित हिस्से को मंगलवार को अपेक्षा से अधिक अभिदान मिला। सीएसएल के 59.66 लाख से अधिक शेयर के आधार आकार की पेशकश के मुकाबले संस्थागत निवेशकों ने करीब 74 लाख शेयर के लिए बोलियां लगाईं।

इस तरह उनके लिए आरक्षित हिस्से को 1.23 गुना अभिदान मिला। बाजार बंद होने तक बोली प्रक्रिया जारी रहेगी। बोलियों का सांकेतिक मूल्य 1,401.85 रुपये प्रति शेयर रहा, जबकि न्यूनतम मूल्य 1,400 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। सरकार दो दिन की बिक्री पेशकश (ओएफएस) के जरिये जहाज निर्माण कंपनी सीएसएल में 1.32 करोड़ से अधिक शेयर यानी 5.04 प्रतिशत तक हिस्सेदारी बेच रही है। इसमें 2.52 प्रतिशत शेयर बेचे जाएंगे, जबकि अधिक मांग आने की स्थिति में उतनी ही अतिरिक्त हिस्सेदारी 'ग्रीन-शू' विकल्प के तहत बेची जाएगी। निर्धारित न्यूनतम मूल्य पर 5.04 प्रतिशत हिस्सेदारी की बिक्री से सरकारी खजाने को लगभग 1,800 करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है। खुदरा निवेशक आठ जुलाई को बिक्री पेशकश के लिए बोली लगा सकेंगे। वर्तमान में सीएसएल में सरकार की 67.91 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

पर्यावरण मंत्रालय ने भूपेंद्र यादव के निजी सचिव और तीन अन्य लोगों को हटाया

नई दिल्ली/भाषा। एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए, पर्यावरण मंत्रालय ने केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के निजी सचिव, सहायक निजी सचिव और दो अतिरिक्त निजी सचिवों को एक साथ हटा दिया है।

यादव के निजी सचिव को प्रशासनिक आधार पर हटा दिया गया, जबकि सहायक निजी सचिव और अतिरिक्त निजी सचिव की नियुक्ति खत्म कर दी गईं। दूसरे अतिरिक्त निजी सचिव को उनके मूल कैडर में समय से पहले वापस भेज दिया गया। यह फैसला तीन जुलाई को जारी चार अलग-अलग आदेशों के जरिए सुनाया गया, जिनमें अधिकारियों को हटाए जाने की वजहों का जिक्र नहीं था।

यादव के निजी सचिव अमर सिंह, जिन्हें उनके पद से मुक्त कर दिया गया है, 2010 बैच के भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी हैं।

केरल के मंत्री ने वायनाड भूस्खलन को 'मानव निर्मित' आपदा करार दिया

वायनाड/भाषा। केरल के एक मंत्री ने वायनाड में हुए भूस्खलन को 'मानव निर्मित' आपदा करार दिया है, जिसमें कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि सात लोग घायल हो गए और सात अन्य लापता हैं। अधिकारियों ने बताया कि यह भूस्खलन कल्लाडी में मीनाक्षी पुल के पास पूर्वाह्न 11 बजे हुआ, जहां कोझिकोड और वायनाड जिलों को जोड़ने वाली सुरंग सड़क परियोजना का काम चल रहा था। यह दुर्घटना स्थल मेप्पाडी पंचायत के अंतर्गत आता है, जिसने 2024 में भी भीषण भूस्खलन की त्रासदी देखी थी। घटना से जुड़े एक वीडियो में मीनाक्षी पुल के पास जमा मिट्टी का बड़ा ढेर बारिश के कारण अचानक नीचे खिसकता हुआ दिखाई दिया। केरल के मुख्यमंत्री वी. डी. सतीशन ने यहां पत्रकारों से कहा कि लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के मंत्री पी. के. बशीर और जिलाधिकारी ने ठेकेदारों को इस क्षेत्र में बड़ी मात्रा में जमा मिट्टी के मलबे को हटाने के निर्देश काफी पहले ही दे दिए थे। केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (केएसडीएमए) के कार्यालय में अधिकारियों के साथ स्थिति की समीक्षा करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा, हालांकि, ठेकेदारों ने इन निर्देशों का पालन नहीं किया।

सिया-चेतन ने कुछ महीने पहले गुपचुप कर ली थी शादी, पुलिस को शक

पुणे/भाषा। पुणे के रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल की हत्या की जांच कर रही पुलिस को संदेह है कि मामले में आरोपी सिया गोयल और उसके प्रेमी चेतन चौधरी ने वारदात से कुछ महीने पहले गुपचुप तरीके से शादी कर ली थी। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सिया (20) और चेतन (22) पर आरोप है कि उन्होंने अग्रवाल (25) को 18 जून को पुणे जिले के लोहगढ़ किले की पहाड़ी से धक्का देकर उसकी हत्या कर दी। अग्रवाल और गोयल की शादी इसी साल नवंबर में होने वाली थी। पुणे ग्रामीण पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, सिया और चेतन के बीच हुई बातचीत के विश्लेषण से पता चलता है कि उन्होंने गुपचुप तरीके से शादी कर ली थी। उनकी शादी के बारे में कुछ अपुष्ट खबरें भी आई हैं। हम इस दावे का सत्यापन कर रहे हैं और यह भी जांच कर रहे हैं कि क्या शादी का कानूनी रूप से पंजीकरण कराया गया था। जांचकर्ता अग्रवाल हत्याकांड की कथित साजिश की जांच के तहत आरोपियों से बरामद डिजिटल साक्ष्यों की जांच कर रहे हैं। इनमें मोबाइल फोन का डेटा और चैट रिकॉर्ड भी शामिल हैं।

बिना जुगाड़ के नेहरू को मरणोपरांत मिला था इंडोनेशिया का सर्वोच्च सम्मान : कांग्रेस का तंज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इंडोनेशिया के सर्वोच्च सम्मान बिन्तांग आदिपूर्ण ऑफ द रिपब्लिक ऑफ इंडोनेशिया' से सम्मानित किए जाने के बाद मंगलवार को कांग्रेस ने तंज कसते हुए कहा कि भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को यह सम्मान 1995 में मरणोपरांत मिला था और इसके लिए कोई जुगाड़ भी नहीं करना पड़ा था। प्रधानमंत्री मोदी को भारत और इंडोनेशिया के बीच संबंधों को मजबूत करने में उनकी भूमिका के लिए मंगलवार को इंडोनेशिया का सर्वोच्च सम्मान 'बिन्तांग आदिपूर्ण ऑफ द रिपब्लिक ऑफ इंडोनेशिया' प्रदान किया गया। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने मोदी को यह पदक प्रदान किया।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर उस पोस्ट को 'रिपोस्ट' किया जिसमें कहा गया है कि मोदी, नेहरू के बाद इस सम्मान को पाने वाले दूसरे भारतीय नेता हैं। रमेश ने कटाक्ष करते हुए कहा, ''और नेहरू को यह सम्मान मरणोपरांत मिला था, उसके लिए कोई जुगाड़ नहीं करनी पड़ा।'' रमेश ने इंडोनेशिया के राष्ट्रपति के संबोधन में नेहरू का जिक्र होने का हवाला देते हुए भी प्रधानमंत्री मोदी पर 1960 के दशक की फिल्म मेरा साया' के एक गाने का उल्लेख करते हुए कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, ''तू जहां जहां चलेगा मेरा साया साथ होगा...।'' वर्ष 1959 में स्थापित ''बिन्तांग आदिपूर्णा ऑफ द रिपब्लिक ऑफ इंडोनेशिया' इंडोनेशिया गणराज्य का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। यह सम्मान उन व्यक्तियों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने इंडोनेशिया गणराज्य की एकता, निरंतरता और समृद्धि के लिए असाधारण सेवाएं प्रदान की हों।

जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग : नागरिक समाज के 150 से अधिक प्रतिनिधियों का समर्थन

श्रीनगर/भाषा। नागरिक समाज के 150 से अधिक प्रतिनिधियों ने मंगलवार को सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा तत्काल बहाल करने की केंद्र से मांग की गई। यह प्रस्ताव नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला द्वारा यहां शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एसकेआईसीसी) में बुलाई गई एक बैठक में पारित किया गया। केंद्रशासित प्रदेश में सत्तारूढ़ नेकां ने सोशल मीडिया मंच एक्स' पर जारी एक पोस्ट में कहा, जम्मू-कश्मीर के नागरिक समाज के अलग-अलग वर्गों के 150 से अधिक प्रतिनिधि आज, सात जुलाई को श्रीनगर के एसकेआईसीसी में आयोजित एक बैठक में शामिल हुए। इस बैठक की अध्यक्षता नेकां के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला और उपाध्यक्ष एवं माननीय मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने की।

दिल्ली में बारिश के दौरान मर्सिडीज कार समेत दो वाहनों पर पेड़ गिरा, कोई घायल नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के पूर्वी कैलाश इलाके में मंगलवार को तेज बारिश के दौरान एक व्यस्त सड़क पर मर्सिडीज व एक अन्य चलती कार पर एक बड़ा पेड़ गिर पड़ा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने कहा कि इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने बताया कि दोपहर करीब डेढ़ बजे राजा धीर सिंह मार्ग पर अचानक एक पेड़ गिर गया जिससे एक मर्सिडीज कार समेत कुल दो कार उसकी चपेट में आ गईं जिससे इन वाहनों को नुकसान पहुंचा है। अग्निशमन विभाग ने बताया कि उसे घटना की सूचना दोपहर 1:38 बजे मिली और उसने तुरंत एक दमकल वाहन को मौके पर भेजा।

अधिकारी ने कहा, ''हमारी टीम तुरंत मौके पर पहुंची। सड़क पर चलती कार पर पेड़ गिरने के बाद तीन लोग उसमें फंस गए थे। उन सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और किसी को चोट नहीं आई।'' एक स्थानीय निवासी ने बताया कि पेड़ दोपहर करीब 1:20 बजे गिरा, जब एक कार सड़क से गुजर रही थी और वहां खड़ी एक मर्सिडीज़ कार भी पेड़ की शाखा की चपेट में आ गई। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के कर्मचारी भी मौके पर पहुंचे और सड़क को साफ करने और यातायात को सामान्य करने के लिए गिरे हुए पेड़ को काटकर हटाने का काम शुरू किया। दिल्ली अग्निशमन सेवा के अधिकारी ने कहा, ''इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है।'' पेड़ गिरने की वजह से राजा धीर सिंह मार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा।

अधिकारी 'डिजिटल शासन' के लिए समिति गठित करें : रेड्डी

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को अधिकारियों को राज्य में डिजिटल शासन' को मजबूत करने के लिए एक समिति बनाने का निर्देश दिया। अधिकारियों के साथ बैठक में रेड्डी ने कहा कि अधिकारियों वाली इस समिति को 100 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपनी चाहिए। एक विज्ञप्ति के अनुसार, उन्होंने डिजिटल शासन' को लागू करने के बारे में जानकारी मांगी और अधिकारियों को इसके लिए योजनाएं बनाने और संबंधित कानून का मसौदा तैयार करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि प्रशासन को पूरी तरह से डिजिटलीकरण की ओर बढ़ना चाहिए। राज्य सरकार का मुख्य मकसद जनता को बेहतर सेवाएं देना और यह सुनिश्चित करना है कि डिजिटल शासन के जरिए कल्याणकारी योजनाएं सीधे लाभार्थियों तक पहुंचें।

मुख्यमंत्री ने संविदा और आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की समस्याओं की समीक्षा की और उनसे जुड़े आंकड़ों के डिजिटलीकरण के बारे में जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को समूचे आंकड़ों का डिजिटलीकरण सुनिश्चित करने और संविदा तथा आउटसोर्सिंग कर्मियों के वेतन का भुगतान हर महीने की पहली तारीख को करने के निर्देश दिए। रेड्डी ने कहा कि सरकार द्वारा कोष जारी किए जाने के बाद भी संविदा और आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को समय पर वेतन न देने वाली एजेंसियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

बैंक लापरवाही के आरोप पर वकील को 'सतर्कता सूची' में नहीं डाल सकते : उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि बैंक और भारतीय बैंक संघ (आईबीए) केवल पेशेवर लापरवाही के आरोपों के आधार पर वकीलों को 'सतर्कता बरतने की सूची' में नहीं डाल सकते हैं। न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक अराधे की पीठ ने कहा कि अधिवक्ताओं को काली सूची में डालना बार काउंसिल के वैधानिक अनुशासनात्मक अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप के समान है।

पीठ ने कहा, कानूनी पेशे की स्वतंत्रता न्यायपालिका की स्वतंत्रता जितनी ही महत्वपूर्ण है। असल में, कार्यपालिका और विधायिका से इसकी स्वतंत्रता ही विधि का शासन और लोकतंत्र की आधारशिला है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि यदि किसी वकील पर पेशेवर लापरवाही या कदाचार का आरोप है, तो बैंक को संबंधित राज्य बार काउंसिल के समक्ष

मामला रखना चाहिए, जो अधिवक्ता अधिनियम के तहत उचित कार्रवाई कर सकती है। इसके साथ ही पीठ ने कहा, केवल लापरवाही के आरोप के आधार पर किसी वकील का नाम सतर्कता सूची में डाल देना टिकाऊ नहीं है।... संबंधित बैंक एवं आईबीए को निर्देश दिया जाता है कि अपीलकर्ता वकील का नाम तत्काल प्रभाव से इस सूची से हटाया जाए।

उच्चतम न्यायालय ने संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत न्यायिक समीक्षा का दायरा स्पष्ट करते हुए कहा कि रिट याचिका 'केवल राज्य' या उसके अंगों तक सीमित नहीं है, बल्कि किसी भी व्यक्ति या प्राधिकरण' के खिलाफ दायर की जा सकती है। इस तरह शीर्ष अदालत ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस दृष्टिकोण को खारिज कर दिया कि आईबीए के 'राज्य' नहीं होने के कारण उसके खिलाफ रिट याचिका स्वीकार्य नहीं है। पीठ ने बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) को निर्देश दिया कि वह वरिष्ठ एवं कनिष्ठ वकीलों और शिक्षा क्षेत्र के विशेषज्ञों की एक टीम गठित कर वकीलों के लिए राष्ट्रीय विधिक अकादमी' स्थापित करने के विचार पर विचार करे। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने बीसीआई से अपनी अनुशासनात्मक व्यवस्था का व्यापक मूल्यांकन कराने और इस संबंध में उठाए गए कदमों पर हलफनामा दाखिल करने को कहा।

तमिलनाडु ने हिताची एनर्जी के साथ 1,000 करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने राज्य के औद्योगिक विकास और प्रौद्योगिकी परिवेश को बढ़ावा देते हुए हिताची एनर्जी के साथ 1,000 करोड़ रुपये की विस्तार परियोजना के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर मंगलवार को हस्ताक्षर किए।

एक बयान के अनुसार, अगले तीन से पांच वर्ष में लागू की जाने वाली इस पहल से राज्य में 1,000 पेशेवरों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले प्रौद्योगिकी क्षेत्र के रोजगार सृजित होने का अनुमान है। राज्य सचिवालय में उद्योग, निवेश संवर्धन एवं वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की मौजूदगी में इस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

इस 1,000 करोड़ रुपये के निवेश का उपयोग दो प्रमुख विस्तार परियोजनाओं में किया जाएगा। इनमें चेन्नई के पोरूर में हिताची समूह के वैश्विक प्रौद्योगिकी एवं नवाचार केंद्र का प्रौद्योगिकी विस्तार तथा चेंगलपट्टू में हिताची एनर्जी इंडिया की विनिर्माण इकाई का विस्तार शामिल है। इन दोनों विस्तार परियोजनाओं के जरिये 1,000 उच्चस्तरीय तकनीकी रोजगार सृजित होंगे, जिससे राज्य के इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी क्षेत्र के पेशेवरों के लिए बेहतर करियर अवसर उपलब्ध होंगे। कार्यक्रम में उद्योग मंत्री एस. कीर्तना, मुख्य सचिव डॉ. एम. साईकुमार सहित कई वरिष्ठ सरकारी अधिकारी शामिल हुए।

न्यायालय ने द्रमुक को फटकारा, कहा- मुख्यमंत्री की यात्राओं को अदालत नियंत्रित नहीं कर सकती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/चेन्नई/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय करूर भगदड़ मामले में आरोपी नहीं हैं और अदालत उनके दौरे या कार्यक्रम को नियंत्रित नहीं कर सकती।

न्यायालय ने इस मामले में मुख्यमंत्री की प्रस्तावित यात्रा पर सवाल उठाने और राज्य के मंत्रियों पर गवाहों को प्रभावित करने का आरोप लगाने वाली द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की याचिका पर उसे फटकार लगाई। न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन और न्यायमूर्ति आलोक अराधे की पीठ ने द्रमुक की याचिका पर सुनवाई से इनकार करते हुए पूछा कि अदालत कार्यपालिका के प्रमुख (मुख्यमंत्री) के दौरे को किस प्रकार नियंत्रित कर सकती है। मुख्यमंत्री विजय, करूर भगदड़ में मारे गए लोगों के परिजनों और घायलों से 10 जुलाई को मुलाकात करने वाले हैं।

सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने द्रमुक के सचिव आर. एस. भारती की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता रंजीत कुमार से कहा, मुख्यमंत्री इस मामले में दर्ज प्राथमिकी में आरोपी नहीं हैं। क्या इस अदालत को राजनीतिक मंच बनाया जा सकता है? यह कैसे संभव है? कुमार ने दलील दी कि तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के मंत्री सार्वजनिक बयान देकर ऐसा माहौल बना रहे हैं, जो पिछले वर्ष उच्चतम न्यायालय द्वारा मामले की जांच सीबीआई को सौंपे जाने संबंधी आदेश की भावना के विपरीत है। इस पर न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने कहा, ''क्या आप चाहते हैं कि उच्चतम न्यायालय मुख्यमंत्री की यात्रा को नियंत्रित करे और उनका कार्यक्रम तय करे? यह कैसे किया जा सकता है?''

कुमार ने कहा कि द्रमुक, तमिलनाडु के मंत्री आधव अर्जुन द्वारा मामले पर की गई कुछ टिप्पणियों और उच्चतम न्यायालय के पिछले आदेशों के कथित उल्लंघन को लेकर अवमानना याचिका दायर करने पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी चाहती है कि मुख्यमंत्री और राज्य के मंत्री मामले के गुण-दोष पर सार्वजनिक टिप्पणी करने से रोके जाएं। इस पर न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने पूछा, तो क्या आप चाहते हैं कि

हम अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर रोक लगा दें? यदि वे कुछ कहते हैं तो आप भी उसका जवाब दीजिए। जिस मामले की जांच उच्चतम न्यायालय ने सीबीआई को सौंप दी है, उसमें कोई राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी स्वयं को पक्षकार कैसे बना सकता है?

इस पर कुमार ने कहा, ''हमारी प्रार्थना केवल यह है कि सीबीआई जांच पूरी होने तक ऐसा कोई सार्वजनिक बयान न दिया जाए, जिससे किसी की आपराधिक जिम्मेदारी समाप्त होती दिखाई दे....।'' उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी चाहती है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का इस्तेमाल अधिक जिम्मेदारी के साथ किया जाए। इसके बाद न्यायमूर्ति विश्वनाथन ने पूछा कि सरकार द्वारा पहले से घोषित 10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि, अनुकंपा नियुक्ति और अन्य सहायता मृतकों के परिजनों को देने से जांच किस प्रकार प्रभावित होगी।

पीठ ने कुमार से कहा कि द्रमुक चाहे तो अपनी याचिका वापस लेकर कानून के तहत किसी अन्य उपाय पर विचार कर सकता है, या अदालत इसे खारिज कर देगी। कुमार ने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। न्यायालय ने याचिका को वापस लिया मानते हुए खारिज कर दिया। द्रमुक सचिव आर. एस. भारती ने यह याचिका दायर कर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री, राज्य के मंत्री आधव अर्जुन तथा मामले के अन्य आरोपियों को इस प्रकरण पर सार्वजनिक बयान देने से रोकने और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की जांच पूरी होने तक पीड़ित परिवारों से उनके संपर्क को विनियमित करने का अनुरोध किया था। याचिका में उन मीडिया रिपोर्टों का हवाला दिया गया था, जिनमें कहा गया था कि मुख्यमंत्री करूर जाकर मृतकों के परिजनों और घायलों को सरकारी आदेश, अनुकंपा नियुक्तियां तथा अन्य सरकारी सहायता प्रदान करेंगे।

पिछले वर्ष 13 अक्टूबर को न्यायालय ने करूर भगदड़ की घटना की सीबीआई जांच के आदेश दिए थे। इस हादसे में 41 लोगों की मौत हुई थी। अदालत ने कहा था कि इस घटना ने पूरे देश के जनमानस को झकझोर दिया है और इसकी निष्पक्ष तथा स्वतंत्र जांच आवश्यक है। विजय की तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) की ओर से स्वतंत्र जांच की मांग को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने सीबीआई जांच की निगरानी के लिए उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश अजय रस्तोगी की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय पर्यवेक्षण समिति गठित की थी।

पोंगल 2027 के लिए तमिलनाडु सरकार का बड़ा फैसला

मुफ्त धोती-साड़ी अब बेहतर गुणवत्ता और नए रंगों में मिलेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने वार्षिक पोंगल उपहार योजना के तहत वितरित की जाने वाली मुफ्त धोती और साड़ियों में बड़ा बदलाव करने का फैसला किया है। वर्ष 2027 के लिए इन साड़ियों और धोतियों को बेहतर गुणवत्ता, अधिक टिकाऊ कपड़े और नए रंगों के साथ तैयार किया जाएगा।

पिछले एक दशक से भी अधिक समय बाद इस योजना में यह सबसे बड़ा बदलाव माना जा रहा है। सरकार का मानना है कि इससे लाभार्थियों के साथ-साथ राज्य के हथकरघा उद्योग को भी बड़ा फायदा मिलेगा। नई व्यवस्था के तहत मुफ्त साड़ियों में अब पहले की तुलना में अधिक कपास (कॉटन) का इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे वे खासकर गर्मियों में पहनने के लिए अधिक आरामदायक होंगी। अधिकारियों के अनुसार, नई साड़ियां अब 60 पॉली-कॉटन धागे से बुनी जाएंगी, जिसमें 80:20 पॉलिएस्टर-कॉटन अनुपात होगा। पहले यह अनुपात 90:10 था।

नई साड़ियों में सिल्वर या कॉपर रंग की पॉलिएस्टर बॉर्डर भी होगी। इसके अलावा अब इन्हें पहले से उपलब्ध हल्के नीले, गुलाबी और आइवरी सफेद रंग के साथ हरे रंग में भी उपलब्ध कराया जाएगा। सरकार ने मुफ्त धोतियों की गुणवत्ता में भी सुधार किया है। अब इन्हें

40 ग्रे पॉली-कॉटन धागे से बुना जाएगा, जिसमें 65:35 पॉलिएस्टर-कॉटन अनुपात होगा। पहले यह अनुपात 80:20 था। प्रत्येक धोती की लंबाई 2 मीटर और चौड़ाई 50 इंच होगी। इसमें रंगीन पॉलिएस्टर बॉर्डर होगी और पहली बार धोतियों को धोकर (वॉशिंग के बाद) वितरित किया जाएगा। वहीं, साड़ियों का आकार पहले की तरह 5.5 मीटर लंबाई और 45 इंच चौड़ाई का रहेगा।

1 जुलाई को हथकरघा एवं खादी विभाग द्वारा जारी सरकारी आदेश के अनुसार, इन नए डिजाइन वाले कपड़ों का उत्पादन हथकरघा और पावरलूम बुनकर सहकारी समितियों के माध्यम से किया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि नई गुणवत्ता और डिजाइन से कपड़ों की आकर्षकता बढ़ेगी, सहकारी स्पिनिंग मिलों में धागे का उत्पादन बढ़ेगा और निर्माण प्रक्रिया भी अधिक व्यवस्थित होगी। सरकार ने पोंगल 2027 के लिए 1.7764 करोड़ साड़ियों और 1.7722 करोड़ धोतियों के उत्पादन का लक्ष्य तय किया है। यह लक्ष्य पिछले तीन वर्षों की तरह ही रखा गया है। हालांकि, जिला कलेक्टरों ने अनुमानित मांग के आधार पर 2.27 करोड़ से अधिक साड़ियों और 2.25 करोड़ से अधिक धोतियों की मांग की थी, लेकिन नए डिजाइन लागू करने के लिए सीमित समय को देखते हुए सरकार ने उत्पादन बढ़ाने का फैसला नहीं किया।

सरकारी संस्था को-ऑपटेक्स और तमिलनाडु टेक्सटाइल कॉर्पोरेशन सहकारी बुनकर समितियों से इन कपड़ों की खरीद करेंगे और फिर इन्हें तमिलनाडु सिविल सप्लाइज कॉर्पोरेशन के माध्यम से लाभार्थियों तक पहुंचाया जाएगा। समय पर उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने अल्पकालिक निविदाओं (शॉर्ट-टर्म टेंडर) के जरिए धागे की खरीद की भी अनुमति दी है। पोंगल 2027 योजना की कुल लागत 642.88 करोड़ रुपए आंकी गई है। वहीं, 2026-27 के राज्य बजट में इस योजना के लिए 606.94 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया था, जिसमें से सरकार उत्पादन शुरू करने के लिए 300 करोड़ रुपए की पहली किस्त पहले ही जारी कर चुकी है। सरकार ने यह भी तय किया है कि पोंगल 2026 योजना का बचा हुआ स्टॉक इस वर्ष दीपावली पर वृद्धावस्था पेंशन पाने वाले लाभार्थियों को वितरित किया जाएगा। इसके बाद भी यदि कुछ स्टॉक बचता है तो उसका उपयोग अन्य सरकारी कार्यों में किया जाएगा। इस पहल का स्वागत करते हुए सेलम के हथकरघा बुनकरों ने कहा कि नए डिजाइन और बेहतर गुणवत्ता से इन कपड़ों की मांग और आकर्षण दोनों बढ़ेंगे। साथ ही, समय पर धन जारी होने से बुनकरों को समय पर भुगतान मिलेगा, जिससे उत्पादकों और पोंगल उपहार पाने वाले लोगों का लाभ होगा।

मुख्यमंत्री ने 15 विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति में तेजी लाने के दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने अधिकारियों को 15 विश्वविद्यालयों में कुलपतियों के चयन और नियुक्ति की प्रक्रिया में तेजी लाने तथा राज्य संचालित विश्वविद्यालयों में शिक्षण पदों की लंबे समय से लंबित रिक्तियों की समस्या के समाधान करने के निर्देश दिए हैं। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। राज्य के विश्वविद्यालयों की समस्याओं को दूर करने के लिए विजय ने सोमवार को यहां सचिवालय में उच्च शिक्षा

मंत्री पी. विश्वनाथन और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की।

अधिकारी के मुताबिक, विजय ने विश्वविद्यालयों की वित्तीय स्थिति पर चर्चा की और रिक्त पदों की समस्याओं को तुरंत दूर करने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने विश्वविद्यालयों के शैक्षणिक स्तर को सुधारने के उपायों पर भी विचार-विमर्श किया।

कुलपतियों की नियुक्ति पहले भी हमेशा विवादों में रही है। पूर्व राज्यपाल आर. एन. रवि ने पूववर्ती द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के सरकार की ओर से सुझाए गए कुलपति चयन पैनल की संरचना को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि यह विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के दिशा-निर्देशों के अनुरूप नहीं है। राज्य के 22 विश्वविद्यालयों में से करीब 15 में इस समय पूर्णकालिक कुलपति नहीं हैं।

रेलवे फाटक के चौकीदार ने व्यक्ति को ट्रेन की चपेट में आने से बचाया

चेन्नई। तमिलनाडु के मयिलादुथुरै जिले में सीरकाजी के निकट एक रेलवे फाटक के चौकीदार ने अपनी सूझबूझ से एक व्यक्ति की जान बचा ली। यह घटना अरासुर रेलवे फाटक के पास हुई। घटना का एक वीडियो मंगलवार को सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ, जिसमें ट्रेन के आने के समय ही एक व्यक्ति पटरियों पर उतर गया। ड्यूटी पर तैनात चौकीदार ने उसे समय रहते देख लिया और तुरंत उसकी ओर दौड़ पड़ा। ट्रेन के गुजरने से कुछ ही पल पहले चौकीदार ने उस व्यक्ति को खींचकर सुरक्षित बचा लिया। चौकीदार की सूझबूझ और फुर्ती से एक बड़ा हादसा टल गया, जिसके बाद उसकी बहादुरी की हर ओर चर्चा हो रही है। स्थानीय लोगों, यात्रियों और रेलवे अधिकारियों ने चौकीदार की त्वरित कार्रवाई की सोशल मीडिया पर सराहना की।

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना
सं. एसएण्डटी -जेयू-15-2026-27
भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनके लिए मंडल रेल प्रबन्धक/सं.व.दू.उ.प.रे.,जोधपुर द्वारा निम्न लिखित सिगनलिंग एवं टेलीकॉम सम्बन्धी कार्य हेतु मुहरबंद ई निविदाएं आमंत्रित की जाती है। 1. कार्य का नाम : जोधपुर मंडल के ADSTE/JU अनुभाग के अंतर्गत RKB, MMY, JSM एवं GOTN स्टेशनों पर MSDAC की व्यवस्था हेतु। 2. कार्य की अनुमानित लागत : रुपये 10,19,10,950/- (RO) 3. ई निविदा जमाकर्ता कार्यालय का पूर्ण पता : वरि.मंडल सिगनल एवं दूरसंचार इंजी. मंडल रेल प्रबन्धक कार्यालय हरीश जौशी मार्ग जोधपुर 4. बयाना राशि (Bid Security) : रुपये 20,38,200.00/- 5. ई निविदा प्रपत्र जमा कराने एवं खुलने की तारीख व समय : 28/07/2026 को 15.00 बजे तक। तथा ई टेंडर ऑन लाईन आई आर ई पी एस पर 15.00 बजे बन्द होने के तुरन्त बाद खोली जायेगी। 6. वैब साईट विवरण एवं नोटिस बोर्ड व कार्यालय जहाँ से टेण्डर का विवरण देखा जा सकें। एवं खरीद की जा सकें। : www.ireps.gov.in नोटः- यह एक ई टेण्डर हैं इसलिए इसमें भाग लेने के लिए ठेकेदार ई टेण्डरिंग के द्वारा उल्लेखित वैब साईट पर टेण्डर डाले। 960-CQ/26
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे
256 सिग/14/2026-27 दिनांक 03.07.2026
ई निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनके लिए मंडल रेल प्रबन्धक/सं.व.दू.उ.प.रे., जोधपुर द्वारा निम्न लिखित सिगनलिंग एवं टेलीकॉम सम्बन्धी कार्य हेतु मुहरबंद ई निविदाएं आमंत्रित की जाती है। 1. कार्य का नाम : उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल के मेड़ता रोड स्टेशन पर MSDAC की व्यवस्था हेतु। 2. कार्य की अनुमानित लागत : रुपये 6,44,87,666/- (RO) 3. ई निविदा जमाकर्ता कार्यालय का पूर्ण पता : वरि. मंडल सिगनल एवं दूरसंचार इंजी. मंडल रेल प्रबन्धक कार्यालय हरीश जौशी मार्ग जोधपुर 4. बयाना राशि (Bid Security) : रुपये 12,89,800.00/- 5. ई निविदा प्रपत्र जमा कराने एवं खुलने की तारीख व समय : 28.07.2026 को 15.00 बजे तक। तथा ई टेंडर ऑन लाईन आई आर ई पी एस पर 15.00 बजे बन्द होने के तुरन्त बाद खोली जायेगी। 6. वैब साईट विवरण एवं नोटिस बोर्ड व कार्यालय जहाँ से टेण्डर का विवरण देखा जा सकें। एवं खरीद की जा सकें। www.ireps.gov.in नोटः- यह एक ई टेण्डर हैं इसलिए इसमें भाग लेने के लिए ठेकेदार ई टेण्डरिंग के द्वारा उल्लेखित वैब साईट पर टेण्डर डाले। 963-DI/26
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

करूर भगदड़ मामला : द्रमुक की याचिका पर न्यायालय का सुनवाई से इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की करूर भगदड़ के पीड़ितों के परिजनों से प्रस्तावित मुलाकात पर सवाल उठाने के लिए द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) को मंगलवार को फटकार लगाई और राज्य के मंत्रियों पर गवाहों को प्रभावित करने का आरोप लगाने वाली उसकी याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन और न्यायमूर्ति आलोक अराधे की पीठ ने द्रमुक से पूछा कि अदालत कार्यपालिका के प्रमुख (मुख्यमंत्री) की यात्रा पर कैसे कोई नियम बना सकती है। द्रमुक की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रंजीत कुमार पेश हुए। पीठ ने उनसे पूछा कि भगदड़ पीड़ितों के परिजनों से मुलाकात करना गवाहों को प्रभावित करना कैसे हुआ।

मुख्यमंत्री विजय का भगदड़ के पीड़ित परिवारों से 10 जुलाई को मुलाकात का कार्यक्रम है। पीठ ने कुमार से कहा कि द्रमुक चाहे तो अपनी याचिका वापस लेकर कानून के तहत किसी अन्य उपाय पर विचार कर सकता है, या अदालत इसे खारिज कर देगी। इसके बाद कुमार ने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। न्यायालय ने याचिका को वापस लिया मानते हुए खारिज कर दिया।

द्रमुक सचिव आर. एस. भारती ने यह याचिका दायर कर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री, राज्य के मंत्री आधव अर्जुन तथा मामले के अन्य आरोपियों को इस प्रकरण पर सार्वजनिक बयान देने से रोकने और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की जांच पूरी होने तक पीड़ित परिवारों से उनके संपर्क को विनियमित करने का अनुरोध किया था। याचिका में उन मीडिया रिपोर्टों का हवाला दिया गया था, जिनमें कहा गया था कि मुख्यमंत्री करूर जाकर मृतकों के परिजनों और घायलों को सरकारी आदेश, अनुकंपा नियुक्तियां तथा अन्य सरकारी सहायता प्रदान करेंगे। भारती ने अपनी याचिका में कहा कि इस मामले में जिन लोगों के खिलाफ प्रारंभिक आरोपपत्र दाखिल किया गया था, उनमें से कई वर्ष 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के बाद राज्य मंत्रिमंडल में मंत्री बन चुके हैं। पिछले वर्ष 13 अक्टूबर को न्यायालय ने करूर भगदड़ की घटना की सीबीआई जांच के आदेश दिए थे।

द्रमुक में शामिल होने के लिए 30 करोड़ रुपये का प्रस्ताव ठुकराने पर मुझे धमकी दी गई : टीवीके विधायक

तूतीकोरिन। श्रीवैकुंठम निर्वाचन क्षेत्र से टीवीके विधायक जी सरवनन ने आरोप लगाया है कि उन्हें सत्तारूढ़ दल को छोड़कर द्रमुक में शामिल होने के लिए 30 करोड़ रुपये से लेकर 100 करोड़ रुपये तक का प्रस्ताव दिया गया। उन्होंने यह भी दावा किया कि प्रस्ताव ठुकराने पर उन्हें जान से मारने की धमकियां दी गईं। अपने पार्टी कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए विधायक ने दावा किया कि विधायकों की कथित खरीद-फरोख्त के इन प्रयासों के संबंध में उनके पास ठोस सबूत हैं। उन्होंने दावा किया, कई लोग सीधे मेरे पास आए और बड़ी रकम की पेशकश की। उन्होंने कहा कि हम आपको 30 करोड़, 50 करोड़, यहां तक कि 100 करोड़ रुपये देंगे, बस द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) में शामिल हो जाइए। जब मैंने इनकार कर दिया तो उन्होंने मुझे परेशान करना शुरू कर दिया और खुलेआम जान से मारने की धमकियां दीं। उन्होंने कहा कि अगर मैंने उनकी बात नहीं मानी तो मुझे खत्म कर देंगे।

उन्होंने कहा कि वह एक साधारण और जमीनी पृष्ठभूमि से उठकर विधायक बने हैं, इसलिए कुछ लोगों ने यह समझ लिया कि उन्हें आसानी से डराया-धमकाया या पैसे के बल पर खरीदा जा सकता है। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) विधायक ने दावा किया कि वह बेबुनियाद आरोप नहीं लगा रहे हैं, बल्कि अपने दावों के समर्थन में उनके पास ठोस सबूत हैं। सरवनन ने बिना अधिक जानकारी दिए आरोप लगाया, 30 करोड़ रुपये की रिश्वत की पेशकश का मेरे पास स्पष्ट सबूत है। इस मामले में तिरुनेलवेली का एक थिएटर मालिक शामिल है। एक पूर्व मंत्री के चार समर्थकों ने भी इस सौदे को लेकर मुझसे बात की थी।

उन्होंने कहा, वे सीधे विधायक कार्यालय तक आकर मुझे धमकाते हैं और कहते हैं कि अगर आप गाड़ी से जाएंगे तो हम आपके वाहन को ट्रक से टक्कर मार देंगे। करीब 25 दिन पहले जब मैं अपनी कार से जा रहा था, तब एक ट्रक जानबूझकर इस तरह मेरी ओर बढ़ा, जैसे वह मेरी गाड़ी को टक्कर मारने वाला हो।

द्रमुक और टीवीके ने एक-दूसरे पर विधायकों की खरीद-फरोख्त के आरोप लगाए हैं। दोनों दलों ने एक-दूसरे पर अपने विधायकों को तोड़ने की कोशिश करने का आरोप लगाया है।

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना
सं. एसएण्डटी -जेयू-12-2026-27
भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनके लिए मंडल रेल प्रबन्धक/सं.व.दू.उ.प.रे.,जोधपुर द्वारा निम्न लिखित सिगनलिंग एवं टेलीकॉम सम्बन्धी कार्य हेतु मुहरबंद ई निविदाएं आमंत्रित की जाती है। 1. कार्य का नाम : उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल के डीएसटीई/जोधपुर के अनुभाग स्थित भगत की कोठी (BGKT) स्टेशन पर MSDAC की व्यवस्था हेतु। 2. कार्य की अनुमानित लागत : रुपये 5,96,15,549/-(RO) 3. ई निविदा जमाकर्ता कार्यालय का पूर्ण पता : वरि. मंडल सिगनल एवं दूरसंचार इंजी. मंडल रेल प्रबन्धक कार्यालय हरीश जौशी मार्ग जोधपुर 4. बयाना राशि (Bid Security) : रुपये 11,92,300.00/- 5. ई निविदा प्रपत्र जमा कराने एवं खुलने की तारीख व समय : 27/07/2026 को 15.00 बजे तक। तथा ई टेंडर ऑन लाईन आई आर ई पी एस पर 15.00 बजे बन्द होने के तुरन्त बाद खोली जायेगी। 6. वैब साईट विवरण एवं नोटिस बोर्ड व कार्यालय जहाँ से टेण्डर का विवरण देखा जा सकें। एवं खरीद की जा सकें। : www.ireps.gov.in नोटः- यह एक ई टेण्डर हैं इसलिए इसमें भाग लेने के लिए ठेकेदार ई टेण्डरिंग के द्वारा उल्लेखित वैब साईट पर टेण्डर डाले। 961-CQ/26
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
(निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग)
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक)
पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु-560058

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, समूह प्रमुख, इस्ट्रैक, इसरो पीण्या, बेंगलूरु-58 द्वारा समुचित वर्ग के ठेकेदारों से एनआईटी में निम्नलिखित कार्यों के लिए सीलबंद नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित किया जाता है। (फोन : 080-28094541, 28094186)

कार्य का नाम :	एससीसी परिसर, इस्ट्रैक, पीन्या, बेंगलूरु में आईएनसी और आईएसएसडीसी लैब्स के नवीनीकरण के लिए विद्युत् कार्य।	एससीसी परिसर, इस्ट्रैक, बेंगलूरु में स्टोर्स सेक्शन का नवीनीकरण (विद्युत कार्य)
एनआईटी सं :	इस्ट्रैक/सीएमजी/ई/एमएआईएनटी/ईटीएन-45/2026-2027 दिनांक : 07.07.2026	इस्ट्रैक/सीएमजी/ई/एमएआईएनटी/ईटीएन-46/2026-2027 दिनांक : 07.07.2026
निविदा का अनुमानित मूल्य	₹ 22.81 लाख	₹ 10.14 लाख
निविदा दस्तावेज विवरण	ई-निविदा	ई-निविदा
कार्यादेश जारी होने के 15 दिन बाद की तिथि से गिनी जाने वाली कार्य समापन अवधि	तीन (03) माह	चार (04) माह
निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि	08.07.2026 को 16.00 बजे से 22.07.2026 को 16.00 बजे तक	
बोली स्पष्टीकरण	09.07.2026 को 11.00 बजे से 23.07.2026 को 16.00 बजे तक	
बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख	24.07.2026 को 16.00 बजे तक	
निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	25.07.2026 को 16.00 बजे तक	
निविदा खोलने की नियत तारीख और समय	27.07.2026 को 11.00 बजे से	
अग्रदाय रकम जमा(ईएमडी)	रु. 45,620/-	रु. 20,280/-

पात्रता मानदंड और दूसरी जानकारी के लिए, इच्छुक निविदाकार कृपया वेबसाइट www.isro.gov.in/Tenders.html पर टेंडर इनवाइटिंग का विस्तृत द्विभाषी (हिंदी - अंग्रेजी) नोटिस (NIT) देख सकते हैं और https://www.tenderwizard.com/isro पर टेंडर फ्री में देख सकते हैं।

ह/- समूह प्रमुख-सीएमजी

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का नई दिल्ली दौरा

केन्द्रीय मंत्रियों से मुलाकात कर ऊर्जा, मेट्रो, जल परियोजनाओं, नवीकरणीय ऊर्जा और कृषि से जुड़े मुद्दों पर की विस्तृत चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नई दिल्ली प्रवास के दौरान सोमवार देर रात और मंगलवार को प्रदेश के हितों की पैरवी और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी समन्वय के लिए 6 केन्द्रीय मंत्रियों से मुलाकात की। इन बैठकों में मुख्यमंत्री ने ऊर्जा, शहरी विकास, कृषि, खाद्य सुरक्षा, जल सहित विभिन्न विभागों की परियोजनाओं की प्रगति को लेकर केन्द्रीय मंत्रियों के साथ विस्तार से चर्चा की।

केन्द्रीय ग्रामीण विकास, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम को व्यवस्थित रूप से धरातल पर लागू किया गया है। पहले ही दिन से यहां सभी मजदूरों को कार्य उपलब्ध कराने के साथ ही हर गांव का सुव्यवस्थित विकास सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री द्वारा की जा रही ग्राम विकास चौपालों की भी सराहना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री गांवों में जाकर स्वयं लोगों की समस्याएं सुन रहे हैं, इसके लिए वे बधाई के पात्र हैं। केन्द्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी से मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक खाद्यान्न वितरण प्रणाली, राज्य में अन्न भंडारण क्षमता के विस्तार एवं आधुनिक वेयरहाउस विकसित करने पर चर्चा की। इस दौरान केन्द्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीद के क्षेत्र में राजस्थान की उल्लेखनीय प्रगति को लेकर सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रदेश की यह उपलब्धि केन्द्र एवं राज्य सरकार के बीच मजबूत साझेदारी का प्रतीक है। बैठक के दौरान स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए यूटिलिटी लेड एग्रीगेशन मॉडल के माध्यम से पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना को गति प्रदान करने, प्रधानमंत्री कुसुम योजना के प्रभावी क्रियान्वयन तथा बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम के विकास से संबंधित विषयों पर विचार-विमर्श हुआ।

केन्द्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी मामलात मंत्री मनोहर लाल के साथ मुख्यमंत्री ने राजस्थान में ऊर्जा क्षेत्र के सुदृढ़ीकरण, आवास एवं शहरी विकास की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर चर्चा की। साथ ही, प्रदेश में ई-बस सेवाओं और मेट्रो नेटवर्क के विस्तार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा की गई।

`न्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल से मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने जल जीवन मिशन, यमुना जल परियोजना, राम जल सेतु लिंक परियोजना सहित प्रदेश की विभिन्न परियोजनाओं एवं भविष्य की कार्ययोजनाओं को लेकर सकारात्मक संवाद किया। केन्द्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलात मंत्री निर्मला सीतारमण से मुख्यमंत्री की मुलाकात के दौरान प्रदेश के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों के साथ ही केन्द्र और राज्य समन्वय को लेकर सार्थक और सकारात्मक चर्चा हुई। उल्लेखनीय है कि सोमवार देर रात मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर राजस्थान में चल रही विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्ग एवं एक्सप्रेस-वे परियोजनाओं की प्रगति को लेकर विचार-विमर्श किया था।

यूसीसी को लेकर होने वाली जनसुनवाई सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश : गोविंद सिंह डोटासरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने मंगलवार को कहा कि उनकी पार्टी राज्य में प्रस्तावित समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लेकर होने वाली जनसुनवाई का बहिष्कार करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि यह पूरी प्रक्रिया पारदर्शी नहीं है और इसका उद्देश्य सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाना है। डोटासरा ने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में संवाददाताओं से कहा कि यूसीसी को लेकर न तो कोई मसौदा (ड्राफ्ट) और न ही कोई प्रस्ताव सार्वजनिक किया गया है। उन्होंने सवाल किया, जब न कोई मसौदा है और न कोई प्रस्ताव, तो आखिर जनसुनवाई किस बात को लेकर हो रही है? कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि यह प्रक्रिया सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाने और राजनीतिक लाभ के लिए धार्मिक ध्रुवीकरण करने के उद्देश्य से चलाई जा रही है।

डोटासरा ने यह भी आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया से जुड़ी समिति में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े लोग शामिल हैं और इसी समिति को विभिन्न राज्यों में भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा, अगर ऐसी समिति को काम करना है तो उसे अलग-अलग राज्यों में क्यों भेजा जा रहा है? यह संघीय व्यवस्था पर हमला है। प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि दो-तिहाई बहुमत और संविधान संशोधन को लेकर भी कई सवाल उठ रहे हैं।

डोटासरा ने कहा, वे (केंद्र सरकार) दो-तिहाई बहुमत और संविधान संशोधन के जरिए क्या करना चाहते हैं? क्या वे मौलिक अधिकार, आरक्षण, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता या संविधान के धर्मनिरपेक्ष स्वरूप को खत्म करना चाहते हैं? जनसुनवाई से दूरी बनाने के कांग्रेस के फैसले पर डोटासरा ने कहा कि पार्टी को आशंका है कि इससे जमीनी स्तर पर तनाव उत्पन्न हो सकता है।

उन्होंने आरोप लगाया, वे (केंद्र सरकार) चाहते हैं कि हम जनसुनवाई में जाएं और फिर ऐसे हालात उत्पन्न किए जाएं, जहां विवाद खड़े हों और धार्मिक मुद्दे उठाकर समाज में नफरत फैलाई जाए। डोटासरा ने राज्य सरकार पर पानी की कमी, बिजली संकट, बढ़ते अपराध और किसानों की समस्याओं जैसे अहम मुद्दों की अनदेखी करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, लोग बुनियादी समस्याओं से जूझ रहे हैं, लेकिन उन मुद्दों पर कोई चर्चा नहीं हो रही है। डोटासरा ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि यह देश का दुर्भाग्य है कि जनता ने भले ही भाजपा को वोट दिया हो लेकिन 'राजस्थान में शासन आरएसएस चला रहा है'।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस राज्यभर में जनता के मुद्दे उठाती रहेगी और उन्हें उचित मंचों पर मजबूती से रखेगी। भाजपा की आरोपों पर फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

तेज रफ्तार ट्रॉली ने एक परिवार को कुचला, तीन बच्चों की मौत

जयपुर/दक्षिण भारत । जयपुर के श्याम नगर थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक भीषण सड़क दुर्घटना में तीन बच्चों की मौत हो गई, जबकि हादसे में उनके माता-पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, अजमेर रोड बाईपास पर एक अनियंत्रित ट्रेलर ने सड़क किनारे खड़े इस परिवार को रौंद दिया। यह दुखद हादसा व्यस्त 200-फुट बाईपास (अजमेर रोड) पर होटल हाईवे किंग के पास हुआ। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, तेज़ रफ़्तार ट्रॉली का ड्राइवर नियंत्रण खो बैठा, सड़क किनारे लगी मेटल की सुरक्षा रेलिंग को तोड़ते हुए ट्रॉली एक परिवार के पांच सदस्यों से टकराई और फिर रुकी। मृतक बच्चों की पहचान रमेश, रतन और दीपक के तौर पर हुई है। उनके माता-पिता, चंद्र प्रकाश और कैलाशी, गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

अधिकारियों ने बताया कि हादसे के तुरंत बाद ड्राइवर मौके से भाग गया। पुलिस ने तीनों बच्चों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी में भेज दिया। चश्मदीदों ने बताया कि ट्रॉली तेज रफ्तार में थी, तभी ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया और परिवार के सदस्यों को टक्कर मार दी। बताया जा रहा है कि ट्रॉली ने सड़क किनारे लगे लोहे की सुरक्षा रेलिंग को तोड़ते हुए परिवार को कुचल दिया।इस घटना से इलाके में अफरातफरी मच गई। पुलिस और एम्बुलेंस टीमों के पहुंचने से पहले ही स्थानीय लोग पीड़ितों की मदद के लिए पहुंचे।

घटना की सूचना मिलने के कुछ ही देर बाद श्याम नगर पुलिस स्टेशन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। घायलों को अस्पताल ले जाया गया, जबकि सड़क से क्षतिग्रस्त ट्रॉली को हटाने और ट्रैफिक बहाल करने के लिए क्रेन का इस्तेमाल किया गया।पुलिस ने बताया कि हादसे के बाद ट्रॉली का ड्राइवर भाग गया और उसे खोजने और गिरफ्तार करने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और हादसे की असल वजह की जांच कर रही है। गाड़ी पर नियंत्रण कैसे खोया, यह पता लगाने के लिए इलाके के सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की जा रही है।

राजस्थान में कई जगह भारी बारिश

जयपुर। दक्षिण-पश्चिम मानसून की सक्रियता के कारण राजस्थान के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम और कुछ स्थानों पर भारी बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार राज्य में इस सप्ताह भी बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार सुबह तक बीते 24 घंटे के दौरान राज्य के पूर्वी हिस्सों में कई स्थानों पर हल्की से मध्यम तथा कहीं-कहीं भारी बारिश हुई। वहीं, पश्चिमी राजस्थान में भी एक-दो स्थानों पर भारी बारिश दर्ज की गई। सर्वाधिक 91.0 मिलीमीटर बारिश जालौर जिले के जसवंतपुरा में दर्ज की गई।

इसके अनुसार राज्य के पूर्वी भागों में अगले चार से पांच दिन तक मानसून सक्रिय रहेगा। इस दौरान अधिकांश क्षेत्रों में हल्की से मध्यम तथा कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। वहीं, आठ और नौ जुलाई को दक्षिण-पूर्वी एवं पूर्वी राजस्थान के उदयपुर और कोटा संभाग तथा आसपास के क्षेत्रों में कहीं-कहीं बेहद भारी बारिश हो सकती है। हालांकि, 10 जुलाई से राज्य में भारी बारिश की गतिविधियों में कमी आने का अनुमान है।

विभाग के अनुसार मंगलवार को उदयपुर, कोटा, अजमेर, भरतपुर, बीकानेर, जोधपुर और जयपुर संभाग के कुछ हिस्सों में मेघगर्जन के साथ मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। वहीं, कोटा और उदयपुर संभाग के जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश की भी संभावना है। इसी प्रकार, पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर और बीकानेर संभाग के कुछ क्षेत्रों में आगामी दिनों में हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है, जबकि मंगलवार और बुधवार को कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है।

बेकाबू ट्रेलर ने सड़क किनारे खड़े परिवार को कुचला, पिता व तीन बच्चों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजधानी जयपुर में मंगलवार सुबह तेज रफ्तार ट्रेलर ने सड़क किनारे खड़े परिवार के पांच सदस्यों को कुचल दिया। इस हादसे में पिता व तीन बच्चों की मौत हो गई, जबकि मां गंभीर रूप से घायल है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह हादसा मंगलवार सुबह करीब पौने नौ बजे 200-फुट बाईपास के किनारे सड़क के पास हुआ। पुलिस के अनुसार दिल्ली से अजमेर की ओर जा रहे एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने रेलिंग को तोड़ते हुए नाले के पास खड़े एक दंपति व उनके बच्चों को कुचल दिया। यह परिवार सड़क किनारे नाले के उपर सीमेंट की पट्टियों पर खड़ा था। भारी ढुलाई वाहन (ट्रेलर) की टक्कर से सीमेंट की पट्टियां भी टूट गईं और पीड़ित नाले में गिर गए।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि तीनों बच्चों की घटना स्थल पर मौत हो गई। उनके मां-बाप को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया जहां पुरुष ने भी दम तोड़ दिया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ट्रेलर का चालक मौके से भाग गया। मृतकों की पहचान राजसमंद जिले के एक गांव निवासी चंद्रप्रकाश और उनके नाबालगि बेटों के रूप में हुई है। अधिकारी ने कहा कि चंद्रप्रकाश की पत्नी गंभीर रूप से घायल है और उसका अस्पताल में उपचार किया जा रहा है।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हादसा इतना भयावह था कि एक बच्चे का सिर धड़ से अलग हो गया, जबकि बाकी लोगों के शरीर भी बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गए। घटनास्थल पर मिली चीजों से पता चला कि परिवार सड़क व चौराहों पर गुब्बारे और अन्य सामान बेचता था।

राजस्थान सरकार आगामी विस सत्र में यूसीसी विधेयक पेश करने पर कर रही विचार : खर्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान के शहरी विकास और स्वशासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने मंगलवार को कहा कि राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार आगामी विधानसभा सत्र में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पेश कर सकती है। उन्होंने कहा कि यह पार्टी का दीर्घकालिक लक्ष्य है जिसे वह पूरा कर सकती है। खर्रा ने यह भी घोषणा की कि केंद्र सरकार ने राज्य में 'जल जीवन मिशन' की मियाद बढ़ा दी है और इसके लिए अतिरिक्त धन आवंटित किया है। उन्होंने कहा कि इस कदम से पूरे राज्य में लोगों तक साफ पेयजल की पहुंच सुनिश्चित होगी।

खर्रा कोटा शहरी विकास प्राधिकरण (केडीए) द्वारा आयोजित 'शहरी सेवा शिविर' में शामिल होने के बाद संवाददाताओं को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए तैयार है। मंत्री ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की सरकार की योजना पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा, सभी नागरिकों के लिए समान नागरिक कानून बनाना लंबे समय से एक लक्ष्य रहा है, और मौजूदा सरकार इसे हकीकत में बदलने के लिए निर्णायक कदम उठा रही है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार समान यूसीसी लागू करने की दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रही है और आगामी विधानसभा सत्र में एक विधेयक पेश करने पर विचार कर रही है। खर्रा ने राज्य की पूर्ववर्ती सरकार पर जल मिशन को शुरू में लागू करने में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए कहा कि इसका नतीजा राजस्थान को भारी वित्तीय और विकासात्मक नुकसान के रूप में भुगतना पड़ा।

उन्होंने यह भी कहा कि जल जीवन मिशन के विस्तार और उसके बाद मिलने वाली राशि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से की गई सीधी अपील का नतीजा है। खर्रा ने राजस्थान में स्थानीय निकाय और नगरपालिका चुनावों के बारे में कहा कि राज्य सरकार ने चुनाव से पहले की सभी जिम्मेदारियां सफलतापूर्वक पूरी कर ली हैं। उन्होंने कहा, नगरपालिका की सीमाओं का विस्तार और वार्डों का परिसीमन जैसे ये काम मार्च 2026 के शुरुआती लक्ष्य से पहले ही पूरे कर लिए गए।

उन्होंने इस मामले में राजस्थान उच्च न्यायालय के आदेश का जिक्र करते हुए कहा कि अदालत ने यह पुष्टि की है कि राज्य सरकार नगर पालिकाओं की सीमाओं में बदलाव करने और जरूरत के अनुसार वार्डों का नए सिरे से परिसीमन करने के लिए पूरी तरह सक्षम है।

पिछड़ा वर्ग आयोग के आंकड़ों को संकलित करने और जारी करने में हुई देरी के सवाल पर मंत्री ने स्पष्ट किया कि प्रशासनिक देरी पूरी तरह से मानवबल की कमी की वजह से हुई है, क्योंकि स्थानीय निकाय जनगणना के चल रहे कामों और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में व्यस्त रहे हैं।

विपक्ष ने आरोप लगाया है कि सियासी हार के डर की वजह से राज्य की भाजपा सरकार स्थानीय निकाय चुनाव कराने में देरी कर रही है। इस आरोप पर पलटवार करते हुए खर्रा ने कहा, अगर विपक्ष सचमुच चाहता है कि स्थानीय निकाय चुनाव पिछड़े वर्गों के लिए राजनीतिक आरक्षण के बिना हों, तो उन्हें अपनी मांगें लिखित रूप में देनी चाहिए।

युवती ने सरकारी नौकरी और जायदाद के लिए मां की हत्या करवाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के जयपुर में एक युवती ने जायदाद और सरकारी नौकरी हासिल करने के लिए अपनी मां की कथित तौर पर हत्या करवा दी। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इस मामले में आरोपी बेटी सहित सात लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने महिला की मौत को सड़क हादसे का रूप देने की कोशिश की थी।

पुलिस उपायुक्त (पूर्व) रंजीता शर्मा ने बताया कि प्रताप नगर के रविंद्र नगर में रहने वाली नीरज शर्मा (45) को तीन जुलाई को तेज रफ्तार एक 'स्कॉर्पियो' कार ने टक्कर मार दी थी, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई थी। उन्होंने बताया कि नीरज के भाई राकेश ने हत्या की आशंका जताते हुए अपनी भांजी और अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। अधिकारी ने बताया कि पुलिस जांच में सामने आया कि नीरज की मौत दुर्घटना में नहीं बल्कि एक सुनियोजित साजिश थी।

उन्होंने बताया कि महिला की हत्या कथित तौर पर 'सुपारी' देकर कराई गई और इसे सड़क हादसे का रूप देने का प्रयास किया गया। पुलिस ने इस मामले में नीरज की बेटी आयुषी और उसके ताऊ सहित सात लोगों को गिरफ्तार कर लिया और एक आरोपी अब भी फरार है।

पुलिस उपायुक्त ने बताया कि नीरज के पति विजय कुमार शर्मा अदालत में कनिष्ठ लिपिक (एलडीसी) के पद पर कार्यरत थे और करीब एक वर्ष पहले उनके निधन के बाद नीरज को उनकी जगह अनुकंपा नियुक्ति मिली थी।

उन्होंने बताया कि आरोपी बेटी आयुषी (23) यह नौकरी खुद पाना चाहती थी। पुलिस के अनुसार, आयुषी ने पूछताछ में बताया, मेरे पिता विजय कुमार शर्मा की मृत्यु के बाद मैंने अपनी मां नीरज से कहा था कि मुझे पापा की जगह अनुकंपा नौकरी मिल जाने दें, लेकिन वह नहीं मानीं और खुद नौकरी पर लग गईं। इसकी वजह से मैं तनाव में आ गई।

पुलिस ने बताया कि इसके बाद आयुषी ने अपने ताऊ और उनके बेटे के साथ मिलकर अपनी मां को रास्ते से हटाने, उनकी जगह नौकरी हासिल करने और उनके नाम की संपत्ति हड़पने की साजिश रची। अधिकारी ने बताया कि मामले में आरोपी युवती, उसके ताऊ और घटना को अंजाम देने वाले अन्य लोगों सहित सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

आकाशीय बिजली गिरने से दंपति व पोते की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर।राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले में आकाशीय बिजली गिरने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। इनमें एक बच्चा भी शामिल है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार यह घटना सोमवार रात कनेरा थाना क्षेत्र के लुनखन्दा गांव में हुई। पीड़ित फसल की रखवाली के लिए खेत में बने झोपड़े में सोए हुए थे। इसके अनुसार बद्रीलाल, उनकी पत्नी चंद्री बाई और उनका पोता विशाल गांव से लगभग दो किलोमीटर दूर अनोपपुरा-सुखानंदजी मार्ग पर अपने खेत में झोपड़े में सो रहे थे।

पुलिस ने कहा कि बारिश और आंधी-तूफान के दौरान झोंपड़े पर बिजली गिर गई। उसने कहा कि जोरदार धमाका होने पर परिवार के सदस्य वहां पहुंचे तो तीनों को गंभीर रूप से घायल पाया।

टोंक में पटवारी रिश्वत लेते गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने मंगलवार को टोंक में एक पटवारी को कथित रूप से 20,000 रूपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ब्यूरो के अनुसार पटवार हल्का ऊंचा (जिला भीलवाड़ा) के पटवारी भंवर सिंह को रिश्वत मामले में गिरफ्तार किया गया है।

ब्यूरो के यहां जारी बयान के अनुसार परिवादी ने शिकायत दी थी कि न्यायालय के निर्णय की पालना में परिवादी के पिता के पक्ष में 'डिक्री' करने के एवज में आरोपी पटवारी द्वारा 20,000 रूपये रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा था। टीम ने शिकायत का सत्यापन किया और मंगलवार को जाल बिछाया। इसमें आरोपी पटवारी भंवर सिंह ने परिवादी को अपनी कार में बैठाकर रिश्वत राशि 'डेस्क बॉक्स' में रखवा ली। टीम ने रिश्वत राशि बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मामले में आगे जांच व कार्रवाई की जा रही है।

करणी सेना के नेता हिमांशु सिंह की हत्या के मामले में पांच और लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जमशेदपुर/भाषा। करणी सेना के नेता हिमांशु सिंह की हत्या के मामले में पांच और लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिससे पकड़े गए लोगों की कुल संख्या 10 हो गई है। एक पुलिस अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

इस मामले की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने पहले ही पांच लोगों को पकड़ा था, जिनमें तीन नाबालिग शामिल थे। पूर्वी सिंहभूम के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एहतेशाम वकारिब ने मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि गिरफ्तार किए गए पांच लोगों में एक बार के मालिक होने के साथ झारखंड में भाजपा के व्यापार प्रकोष्ठ के संयोजक नीरज सिंह और बार प्रबंधक विजय महानंद शामिल हैं। कथित तौर पर छेड़छाड़ की घटना को लेकर हुए झगड़े के बाद, 28 जून की देर रात हिमांशु सिंह और प्रत्यूष सिंह को पुलिस के गश्ती वाहन से बाहर खींच लिया गया और बार के सामने पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में घातक हथियारों से दोनों पर बेरहमी से हमला कर दिया गया। दोनों घायलों को यहां टाटा मेन अस्पताल ले जाया गया, जहां 29 जून की रात हिमांशु की मौत हो गई। इस बीच, घटना के बाद बिष्टुपुर पुलिस थाने के प्रभारी आलोक कुमार दुबे समेत चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया।

बिल्डर के दफ्तर पर गोलीबारी के मामले में 5 गिरफ्तार, मुख्य आरोपी मुठभेड़ के बाद पकड़ा

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने पहाड़गंज के एक बिल्डर से 30 लाख रुपये की रंगदारी को लेकर उसके दफ्तर पर गोलीबारी करने के मामले में मुठभेड़ के बाद मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में चार अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि आरोपियों में एक स्थानीय बिल्डर और होटल व्यवसायी भी शामिल है, जिन्होंने शिकायककर्ता से रंगदारी वसूलने के लिए एक अंतरराज्यीय गिरोह के साथ मिलकर साजिश रची थी। अधिकारी ने बताया कि मुख्य आरोपी की पहचान पवन कुमार उर्फ पवन पहलवान के रूप में हुई है, जिसे आईपी एस्टेट में कब्रिस्तान के पास मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक, मुख्य आरोपी ने भागने की कोशिश के क्रम में पुलिस टीम पर कथित तौर पर गोलीबारी की। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिससे आरोपी के दोनों पैर में गोली लगी और वह घायल हो गया। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया और इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

शुभेंदु अधिकारी ने बारुईपुर दुष्कर्म-हत्याकांड की पीड़िता के परिजनों से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी मंगलवार को दक्षिण 24 परगना जिले के बारुईपुर पहुंचे, जहां उन्होंने 11 साल की उस बच्ची के माता-पिता से मुलाकात की, जिसकी कथित तौर पर बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई थी।

मुख्यमंत्री अधिकारी बारुईपुर पुलिस जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) कार्यालय में पीड़िता के माता-पिता से मिले और उन्हें दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया। इस दौरान पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। अधिकारी ने सोमवार को कहा था कि दोषियों को मौत की सजा मिलेगी। उन्होंने इस बात पर खुशी जताई थी कि पीड़िता के परिवार ने सरकार पर भरोसा जताया। लड़की का शव रविवार को सुर्ज्यपुर हाट इलाके में एक बोरी में मिला था, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर बारुईपुर-जयनगर मार्ग अवरुद्ध किया, टायर जलाए और पुलिस के कुछ वाहनों में तोड़फोड़ की। शव मिलने के कुछ घंटों बाद गुस्साई भीड़ ने लड़की की मौत में शामिल होने के संदेह में एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी। मामले के सिलसिले में अब तक तीन लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। राज्य सरकार ने घटना की तहकीकात के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है।

अपराधियों और घुसपैठियों को बिहार छोड़ना होगा : सम्राट चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अररिया/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है और अपराध व घुसपैठ के खिलाफ सरकार की किसी प्रकार की नरमी नहीं बरतने की नीति जारी रहेगी।

उन्होंने कहा, ''अपराधियों और घुसपैठियों को हर हाल में बिहार छोड़ना होगा।'' मुख्यमंत्री ने अररिया में राज्य सरकार द्वारा हाल में शुरू किए गए 'सहयोग शिविर' को संबोधित करते हुए यह बात कही। इन शिविरों का उद्देश्य विभिन्न सरकारी विभागों से जुड़ी लोगों की शिकायतों का त्वरित निस्तारण करना है। उन्होंने कहा कि जिले में जल्द ही एक चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल की स्थापना की जाएगी तथा फारबिसगंज प्रखंड में एक हवाई अड्डे का निर्माण किया जाएगा। चौधरी ने कहा, ''राज्य सरकार कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। अपराध और घुसपैठ के प्रति हमारी 'जीरो टॉलरेंस' की नीति का सख्ती से पालन किया जाएगा और यह आगे भी जारी रहेगी। मैंने शुरू से ही कहा है कि अपराधियों और घुसपैठियों को हर हाल में बिहार छोड़ना होगा।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए 735 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर 194 सीमा चौकियां (बीओपी) स्थापित की गई हैं।

राम मंदिर ट्रस्ट के कार्य में किसी का हस्तक्षेप नहीं : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि अयोध्या के श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कामकाज में किसी का हस्तक्षेप नहीं है और ट्रस्ट के अनुरोध पर सरकार ने चढ़ावे की कथित चोरी मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया था।

योगी ने एसआईटी जांच के शुरुआती नतीजों का जिक्र करते हुए कहा कि राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने एसआईटी की शुरुआती रिपोर्ट के आधार पर पहले ही कार्रवाई शुरू कर दी थी। उन्होंने कहा, अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने प्रदेश सरकार से एसआईटी के गठन की बात की थी और मैंने कहा था कि एसआईटी दूध का दूध और पानी का पानी करके रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा, रामजन्मभूमि में एक घटना घटित हुई तो ट्रस्ट ने विनम्रता के साथ उत्तर प्रदेश सरकार को लिखा कि अगर हम सफाई देंगे तो हो सकता है कि लोगों को विश्वास न हो, हम चाहते हैं कि सरकार एसआईटी गठित करे और सच्चाई सामने आना चाहिए। जांच होनी चाहिए। योगी ने कहा कि अयोध्या में एसआईटी जांच की प्रारंभिक रिपोर्ट के आधार पर ट्रस्ट ने कार्रवाई करते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई और उसके आधार पर जिनके खिलाफ साक्ष्य थे, उनके विरुद्ध कार्रवाई भी की है। उन्होंने कहा, सपा और कांग्रेस से यह सवाल पूछा जाना चाहिए कि तुम लोगों को क्या अधिकार है? ट्रस्ट मंदिर की व्यवस्था का संचालन कर रहा है। उसके कार्य में किसी का हस्तक्षेप नहीं है। योगी ने कहा कि जब तक एसआईटी गठित नहीं की गयी थी तो समाजवादी पार्टी और कांग्रेस कहते थे कि एसआईटी गठित होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके बाद दूसरी मांग करना शुरू कर दिया और पिछले एक महीने से पावन धाम अयोध्या को बदनाम करने के लिये सपा व कांग्रेस ने मुहिम चला रखी है। उन्होंने आरोप लगाया कि अयोध्या को निशाना बनाया जा रहा है और कांग्रेस व समाजवादी पार्टी देश में नकारात्मक वातावरण बनाने का प्रयास कर रही हैं।

चंपत राय और अनिल मिश्रा राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य नहीं : गिरि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने स्पष्ट किया कि पूर्व महासचिव चंपत राय और न्यासी अनिल मिश्रा के इस्तीफे सोमवार को हुई संस्था की बैठक में स्वीकार कर लिये गये तथा दोनों ही अब ट्रस्ट के सदस्य नहीं रहे।

ट्रस्ट, आगामी 22 जुलाई को होने वाली अपनी अगली बैठक में यह फैसला करेगा कि चंपत राय की जगह नियुक्त किए गए कृष्ण मोहन को स्थायी रूप से नियुक्त किया जाए या नहीं। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि ने पीटीआई-भाषा' से बातचीत में स्पष्ट किया कि सोमवार को हुई बैठक में इस्तीफे स्वीकार किए जाने के बाद राय और मिश्रा ट्रस्ट का हिस्सा नहीं रहे। उन्होंने उन दावों को खारिज कर दिया कि दोनों केवल पदों से हटे हैं लेकिन अभी ट्रस्ट के सदस्य हैं। गिरि ने राय और मिश्रा के इस्तीफे के बाद गोपाल नागरकट्ट (जिन्हें गोपाल राव के नाम से भी जाना जाता है) को विशेष आमंत्रित सदस्यों की सूची से हटाने के फैसला की पुष्टि की। फिलहाल कृष्ण मोहन को ट्रस्ट ने अंतरिम महासचिव बनाया है लेकिन बाद में ट्रस्ट उन्हें स्थायी महासचिव बनाने का फैसला कर सकता है। अभी वह अंतरिम महासचिव ही हैं। गिरि ने स्पष्ट किया कि ट्रस्ट के सदस्य 22 जुलाई को होने वाली बैठक में कृष्ण मोहन की नियुक्ति और रिक्त पदों पर उपयुक्त लोगों के चयन को लेकर फैसला ले सकते हैं।

राम मंदिर को दान में प्राप्त सभी वस्तुएं सुरक्षित, 30 किलो से अधिक सोने की चीजें मौजूद : कोषाध्यक्ष

अयोध्या/भाषा। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के आरोपों की जांच के बीच श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि ने मंगलवार को बताया कि ट्रस्ट के पास अभी भक्तों की ओर से दान की गईं 30 किलोग्राम से अधिक सोने जैसी चीजें और 1,518 किलोग्राम से अधिक चांदी जैसी वस्तुएं मौजूद हैं। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने दावा किया कि दान की गयी हर चीज का पूरा हिसाब रखा गया है। गिरी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि मंदिर को दान की गई सभी 2,926 कीमती चीजें 'सुरक्षित' हैं और उनका रिकॉर्ड रखा गया है। इससे पहले सोमवार को ट्रस्ट ने मीडिया के सामने मंदिर को दान की गई कई चीजों जैसे सोने की 'रामचरितमानस' और हीरा जड़ित हार आदि को प्रदर्शित किया था। चांदी की 'चरण पादुका' और चांदी की 'काकभुशुंडी' से संबंधित कलाकृति (जिनके बारे में सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट में दावा किया गया था कि वे उन चीजों की फेहरिस्त में शामिल हैं जो गायब हैं या फिर उनका कोई हिसाब-किताब नहीं है) को भी यहां मीडियाकर्मियों के सामने दिखाया गया था। इसके बाद गिरि ने मंगलवार को दान के बारे में यह जानकारी दी।

ट्रस्ट ने कहा कि इन कीमती चीजों में सोना, चांदी और हीरे जड़ित गहने, धार्मिक चीजें, मुकुट, हार, चरण पादुका, चांदी की ईंटें और राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद से भक्तों द्वारा दी गई अन्य चीजें शामिल हैं। ट्रस्ट ने कहा कि दान की गई हर चीज का पूरा हिसाब-किताब रखा गया है और उसमें दान करने वाले का विवरण, दान की तारीख और अन्य जरूरी जानकारियां दर्ज हैं। गिरि ने अनीता भारद्वाज नामक श्रद्धालु द्वारा दान की गई चांदी की काकभुशुंडी की मूर्ति का भी जिक्र किया और कहा कि दान की गई जिन चीजों को लेकर तरह-तरह की अफवाहें फैलायी जा रही थीं वे मंदिर में सुरक्षित हैं।

भारत चुनाव प्रबंधन के क्षेत्र में पसंदीदा साझेदार के तौर पर उभर रहा

नई दिल्ली/भाषा। भारत चुनाव प्रबंधन के क्षेत्र में एक पसंदीदा साझेदार के तौर पर उभर रहा है, जो सहयोगी देशों के साथ अपनी प्रौद्योगिकी, संस्थागत अनुभव और शानदार पद्धतियां साझा कर रहा है। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को यह बात कही। सूत्रों ने बताया कि भारत और इंडोनेशिया चुनाव प्रबंधन और विशिष्ट रूप से निर्मित इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के निर्यात को लेकर एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने वाले हैं। दुनिया के तीसरे सबसे बड़े लोकतंत्र इंडोनेशिया की आबादी लगभग 28.8 करोड़ है। उसने अपनी चुनाव प्रणाली को आधुनिक बनाने के लिए चुनाव प्रौद्योगिकी, प्रबंधन विशेषज्ञता और संस्थागत सहयोग के वास्ते भारत से संपर्क किया है। एक अधिकारी ने कहा कि जब दुनियाभर के लोकतांत्रिक देश चुनाव से जुड़ी भरोसेमंद विशेषज्ञता की तलाश कर रहे हैं, तो भारत उनकी पहली पसंद बनकर उभरा है। उन्होंने इसके उदाहरण के तौर पर भारत से ईवीएम हासिल करने की इंडोनेशिया की इच्छा का जिक्र किया। अधिकारी के मुताबिक, भारत का चुनाव मॉडल भूटान, नेपाल और नामीबिया से लेकर इंडोनेशिया तक एक वैश्विक मानक बन गया है।

इंफाल में विस का विशेष सत्र बुलाने, एसओओ समझौते को रद्द करने की मांग को लेकर प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर सरकार से शांति बहाली के उपायों पर चर्चा के लिए विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने और कुकी उग्रवादी समूहों के साथ किए गए सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशन्स' (एसओओ) यानी अभियान रोकने संबंधी समझौते को रद्द करने की मांग को लेकर इंफाल में मंगलवार को हजारों लोगों ने विरोध-प्रदर्शन किया।

नगा पीपल्स यूनियन इंफाल, इंफाल नगा बिजनेस एसोसिएशन, इमागी मीरा और कई अन्य संगठनों की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित इस विरोध-प्रदर्शन में नगा और मेइती, दोनों समुदाय के सदस्यों ने बड़े पैमाने पर हिस्सा लिया। ख्वाइरामबंद बाजार की महिला नेता क्षेत्रिमयुम शांति ने प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि विरोध-प्रदर्शन में पहाड़ी और घाटी समुदायों की संयुक्त भागीदारी शांति बहाल करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। उन्होंने कहा, जब तक कुकी उग्रवादी समूहों के साथ हुए एसओओ समझौते को वापस नहीं लिया जाता, तब तक इस विवाद का समाधान नहीं हो सकता। शांति ने दावा किया कि कई रैलियां की गईं और अधिकारियों को ज्ञापन सौंपे गए, लेकिन सरकार उचित प्रतिक्रिया देने में नाकाम रही। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र और मणिपुर सरकार से यह भी आग्रह किया कि वे स्थायी शांति बहाल करने और राज्य की जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारियां निभाने के लिए तत्काल कदम उठाएं।

रेल मंत्रालय ने संरक्षा को मज़बूत करने के लिए 4,098 तकनीकी पदों पर भर्ती की मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रेल मंत्रालय ने देश भर के विभिन्न रेलवे जोन में संरक्षा को मजबूत करने और कार्य कुशलता को बेहतर बनाने के लिए 4,098 तकनीकी कर्मचारियों की भर्ती को मंजूरी दी है। अधिकारियों ने बताया कि मंत्रालय ने 35 तकनीकी श्रेणियों में रिक्तियों को भरने का फैसला किया है। इनमें से कई पद संचालन संरक्षा के लिए बहुत जरूरी हैं, जैसे कनिष्ठ अभियंता, डिपो सामग्री अधीक्षक और रसायन व धातुकर्म सहायक। हाल ही में मंत्रालय ने सभी रेलवे जोन के महाप्रबंधकों को एक परिपत्र भेजा। इसमें कहा गया कि जोन की ओर से आतंरिक मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली (एचआरएमएस) के जरिए इंगित की गई रिक्तियों का आकलन किया गया है और इसी आकलन के आधार पर भर्ती प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया गया है।

जोन की ओर से पहचानी गई सबसे अधिक रिक्तियां 'परमानेंट वे' (पटरी के रखरखाव) श्रेणी में 845 हैं, इसके बाद कार्यशाला में 470 और 'कैरेज एंड वैगन' में 450 रिक्तियां हैं। मंत्रालय ने रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी), बेंगलूरु के अध्यक्ष के साथ सलाह-मशविरा करके एक समय-सीमा तय की है, जिसके अनुसार नोडल आरआरबी 21 जुलाई, 2026 से केंद्रीयकृत रोजगार अधिसूचना (सीईएन) जारी करेंगे। इससे पहले, मंत्रालय की मंजूरी के बाद 6,565 तकनीकी पदों पर भर्ती के लिए अधिसूचना जारी की जा चुकी थी। इसमें सिग्नल तकनीशियन ग्रेड-1 के लिए 323 पद और तकनीशियन ग्रेड-3ख के लिए 6,242 पद शामिल थे। रेलवे के कई कर्मचारी संघों ने संरक्षा से जुड़ी अहम श्रेणी में रिक्तियों को भरने के मंत्रालय के निर्णय पर खुशी जताई है। उनका कहना है कि इससे कार्य कुशलता बेहतर होगी और मौजूदा कर्मचारियों पर काम का बोझ कम होगा।

पीएम-सेतु को देशभर में लागू करेगी सरकार, आईटीआई उन्नयन के लिए 1,238 करोड़ रुपये की मंजूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने 60,000 करोड़ रुपये की उन्नत आईटीआई के माध्यम से प्रधानमंत्री कौशल विकास और रोजगार योग्यता परिवर्तन योजना (पीएम-सेतु) योजना को 200 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) समूहों में देशभर में लागू करने को मंगलवार को मंजूरी दे दी। साथ ही, 1,237.58 करोड़ रुपये की रणनीतिक निवेश योजनाओं को भी मंजूरी दी गई। यह निर्णय कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय की सचिव देबाश्री मुखर्जी की अध्यक्षता वाली चौथी राष्ट्रीय संचालन समिति (एनएससी) की बैठक में लिया गया।

स्वीकृत योजनाओं में ओडिशा में जिंदल नवीन अवसर लिमिटेड और गुजरात में आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया को प्रमुख उद्योग साझेदार (एंकर इंडस्ट्री पार्टनर) के रूप में शामिल किया गया है। इसके अलावा, तेलंगाना में अपोलो मेडस्किल्स तथा दो अन्य स्वीकृत आईटीआई समूह भी इसमें शामिल हैं। संबंधित राज्य संचालन समितियों द्वारा अनुशंसित इन रणनीतिक निवेश योजनाओं से देशभर के कई आईटीआई समूहों का उद्योग-आधारित उन्नयन का मार्ग प्रशस्त होगा।

कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री जयंत चौधरी ने उद्योग जगत की कंपनियों से आगे आकर देशभर के आईटीआई के कायाकल्प संबंधी सरकार के दृष्टिकोण में योगदान देने का आग्रह किया। मंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, मैं उद्योग जगत के लोगों से विश्वस्तरीय संस्थानों में आईटीआई के रूपांतरण के लिए आगे आने का आग्रह करता हूं।''

राम मंदिर, बद्रीनाथ में चढ़ावे के कथित गबन की गहन जांच हो : मायावती

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने अयोध्या में श्रीराम मंदिर और उत्तराखंड में बद्रीनाथ मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी और गबन की गहन जांच कराए जाने की मांग करते हुए कहा कि संबंधित न्यासों के शीर्ष प्रबंधन की भूमिका की भी पड़ताल होनी चाहिए। मायावती ने पोस्ट में कहा, ''अयोध्या में श्रीराम मन्दिर के बाद अब उत्तराखण्ड में बद्रीनाथ धाम चढ़ावा में कथित चोरी व ग़बन होने का मामला सुर्ख़ियों में है। इन दोनों विख्यात धार्मिक स्थलों में इनके ट्रस्ट से जुड़े मुख्य प्रबंधकों की भी सही से जांच होनी चाहिये वरना आगे चलकर इनके स्थान पर बने मुख्य प्रबंधक भी इसका दुरुपयोग कर सकते हैं।''

उन्होंने इसी पोस्ट में कहा, ''क्योंकि ऐसी आम चर्चा है कि निचले स्तर पर जो भी गड़बड़ी हुई है, उसमें या तो मुख्य प्रबंधकों की मिलीभगत है या फिर उनकी लापरवाही की वजह से यह सब हुआ है। अतः इस प्रकरण की सही तरीके से जांच जरूरी है तथा इस मामले में सरकार व एसआईटी को भी विशेष ध्यान देना है।'' उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने पोस्ट में कहा, ''साथ ही सपा, कांग्रेस व आम आदमी पार्टी आदि के जिन वरिष्ठ नेताओं द्वारा यहां (श्रीराम मंदिर) चढ़ावे में मोटी रकम की चोरी व ग़बन होने की बात कही जा रही है, तो उनसे भी पुख़्ता सबूत लेने चाहिये, ताकि चोरी करने वाला व ग़बनकर्ता बच नहीं सके, वरना इसकी आड़ में इसे कोरी राजनीति ही माना जाएगा अर्थात श्रद्धा नहीं, जो जनहित के मुद्दों को दरकिनार करके, अब इस मुद्दे की आड़ में ये पार्टियां चुनाव में जाना चाहती हैं, ऐसी भी आम चर्चा है।''

बदरीनाथ मंदिर में चढ़ावे के प्रबंधन में कथित अनियमितताओं की जांच शुरू

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के प्रसिद्ध बदरीनाथ धाम में चढ़ावे और दान के प्रबंधन में कथित अनियमितताओं के सोशल मीडिया पर सामने आए आरोपों की जांच के लिए गठित चार सदस्यीय टीम ने अपनी पड़ताल शुरू कर दी है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के वरिष्ठ अधिकारियों वाली जांच समिति ने अपनी जांच शुरू कर दी है। समिति सीसीटीवी फुटेज सहित उपलब्ध सभी साक्ष्यों की जांच और संबंधित व्यक्तियों के बयान लेने के बाद अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। अधिकारी ने बताया कि समिति मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालेगी ताकि आरोपों की सत्यता सामने आ सके। उन्होंने बताया, कुछ दिनों में सारी तस्वीर साफ हो जाएगी और सच सामने आ जाएगा। समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने दोहराया कि मंदिर समिति ने आरोपों को 'बेहद गंभीरता' से लिया है और दोषी पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा की धर्म और धन की राजनीति खत्म हो गयी : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को कहा कि 'चढ़ावा-चंदा-दान' चोरी का मामला सामने आने के कारण भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'धर्म' और 'धन' दोनों की राजनीति का अंत हो गया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार कच्चे तेल की गिरती अंतरराष्ट्रीय कीमतों का फायदा ग्राहकों तक नहीं पहुंचा रही है।

यादव ने 'एक्स' पर कहा कि दुनिया भर में कच्चे तेल के दाम गिरने से पेट्रोल-डीजल के दामों में भारी कमी आई है और दूसरे देशों की जनता को तेल के घटे दामों के रूप में लाभ मिला है लेकिन इसके विपरीत भारत में भाजपा सरकार दाम नहीं घटा रही है और सरकार कंपनियों को लगातार फायदा पहुंचाने में लगी है। उन्होंने आरोप लगाया, भाजपा सरकार कंपनियों की सगी है जनता की नहीं। भारत में तेल या किसी भी चीज के दाम का अपना अनोखा 'भ्रष्ट अर्थशास्त्र' है, जो मांग-आपूर्ति से नहीं बल्कि भाजपाई 'कमीशनखोरी' से चलता है, जो कंपनियों के मुनाफे से जुड़ा है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि सामान्य शब्दों में कहें तो कंपनियों का लाभ जितना ज्यादा होगा, भाजपा को कमीशन भी उतना ज्यादा मिलेगा इसलिए हमारे यहां हर चीज के दाम बढ़ने या कुल मिलाकर कहें कि महंगाई बढ़ने का कारण भाजपा की कमीशनखोरी है। यादव ने कहा कि मंदिर में चढ़ावा चोरी के बाद भक्तों को समझ आ गया है कि भाजपा के लिए 'धन' ही 'धर्म' है। उन्होंने कहा, अब तो भाजपा और उनके संगी-साथियों को देखकर लोग दरवाजा बंद कर रहे हैं। भाजपा की धर्म की राजनीति का अंत हो गया है इसलिए वे अब केवल धन की राजनीति करेगी, इससे भ्रष्टाचार भी बेतहाशा बढ़ेगा और महंगाई भी। यादव ने कहा कि भारत की जनता पाप के पैसों की हिस्सेदार नहीं बनेगी। उन्होंने कहा, चढ़ावा चोरी का मामला सामने आने की वजह से भाजपा की धर्म और धन दोनों राजनीति का अंत हो गया है। भाजपा अब कहीं की नहीं रही।

सुविचार

अनुशासन का पालन करना शुरुआत में भले ही कड़वा लगे, लेकिन इसका अंत हमेशा गौरवमयी होता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नारों में स्वदेशी, उपयोग में विदेशी क्यों?

वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 'मेक इन इंडिया' और 'वोकल फॉर लोकल' के बारे में जो टिप्पणी की है, उससे कई सवाल पैदा होते हैं। क्या ये पहल सच में सिर्फ नारों तक सीमित रह गई हैं? अगर ऐसा है तो कांग्रेस के पास सुनहरा मौका है। वह उन राज्यों में इनसे बेहतर पहल लागू कर मिसाल कायम करे, जहां उसकी सरकारें हैं। महात्मा गांधी ने 'स्वदेशी' को बढ़ावा देने के लिए बहुत गंभीर प्रयास किए थे। कांग्रेस की सरकारों ने उन प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए क्या किया? महात्मा गांधी ने चरखा चलाकर अंग्रेजों को चुनौती दी थी। वह कोई उपकरण मात्र नहीं था। चरखा स्वदेशी का महान प्रतीक था। बापू सुबह उठने से लेकर रात को सोने तक हर काम में स्वदेशी चीजों का उपयोग करते थे। आज कांग्रेस समेत सभी पार्टियों के कितने नेता ऐसा करते हैं? सत्ता पक्ष स्वदेशी अपनाने के लिए आह्वान कर रहा है, विपक्ष उसके प्रयासों में सिर्फ खोट ढूंढ़ रहा है। क्या ऐसे 'मेक इन इंडिया' और 'वोकल फॉर लोकल' को बढ़ावा मिलेगा? सबसे पहले खुद आदर्श स्थापित करें। उसके बाद बात करें। जो नेता और अधिकारी सुबह विदेशी टूथपेस्ट काम में लेते हैं, विदेशी साबुन-परफ्यूम लगाते हैं, विदेशी ब्रांड के कपड़े पहनते हैं, विदेशी कार में बैठकर दफ्तर जाते हैं, जो अपने बच्चों को स्थानीय सरकारी विद्यालयों या महाविद्यालयों में पढ़ाने के बजाय विदेश भेजते हैं, जिनकी कलाई पर विदेशी घड़ी सुशोभित है, जो स्थानीय जूते-चप्पल पहनने के बजाय विदेशी ब्रांडों से लगाव रखते हैं, जो अक्सर सैर-सपाटे के लिए विदेश निकल जाते हैं ... उनके शब्दों पर जनता कैसे विश्वास करेगी? महात्मा गांधी के घोर आलोचक भी इस बात से सहमत होंगे कि वे जो कहते थे, वह पहले खुद करते थे। आज के ज्यादातर नेताओं की वाणी में ओज नहीं है, क्योंकि वे कहते कुछ और हैं, करते कुछ और हैं।

पश्चिम एशिया में सैन्य संघर्ष भड़कने के बाद भारतीय मुद्रा पर दबाव बढ़ गया था। डॉलर के मुकाबले रुपए में गिरावट आई थी। तब सत्ता पक्ष और विपक्ष में आरोप-प्रत्यारोप का नया दौर शुरू हो गया था। क्या ऐसे रुपया मजबूत होगा? भारतीय मुद्रा की ताकत बढ़े, इसके लिए सत्ता पक्ष, विपक्ष और जनता को मिलकर काम करना होगा। सारी जिम्मेदारियां जनता पर डाल देना ठीक नहीं है। पहले नेतागण यह दिखाएं कि वे अपने जीवन में स्वदेशी को बढ़ावा देने के लिए क्या कर रहे हैं? 'मेक इन इंडिया' और 'वोकल फॉर लोकल' को बढ़ावा देने में जो रुकावटें आ रही हैं, उन्हें कौन दूर करेगा? क्या नेताओं और अधिकारियों का कर्तव्य नहीं है कि वे इस दिशा में गंभीरता से काम करें? 'मेक इन इंडिया' पहल उसी स्थिति में सफल हो सकती है, जब उसके अनुकूल माहौल हो। अगर आज कोई युवा अपना उद्यम शुरू करना चाहे तो उसके सामने अनगिनत समस्याएं आती हैं। उसे सरकारी तंत्र से अपेक्षित सहयोग नहीं मिलता है। कई इलाकों में तो बिजली का कनेक्शन लेने के लिए चक्कर लगाने पड़ते हैं, रिश्वत देनी होती है। कौनसी पार्टी ऐसा दावा कर सकती है कि उसके शासन में लोगों को इस चक्करबाज़ी और रिश्वतखोरी से निजात मिल गई? जिन देशों में उद्योगों की स्थिति मजबूत है, वह सरकारों द्वारा बनाई गईं नीतियों की वजह से मजबूत है। हमारे देश में कई नीतिगत सुधारों के बावजूद धरातल पर पर्याप्त असर दिखाई नहीं दे रहा है, क्योंकि वहां मौजूद समस्याओं को दूर करने में नौकरशाही उदासीन है। 'वोकल फॉर लोकल' की सबसे ज्यादा चर्चा दीपावली से पहले होती है। उस समय चीनी झालरों का खूब विरोध किया जाता है। इसे यहीं तक सीमित न रखा जाए। गुणवत्तापूर्ण स्वदेशी उत्पाद बनाएं और लोग उनकी मांग करें, तब यह पहल सफल होगी और भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत बनेगी।

ट्वीटर टॉक

नई दिल्ली में माननीय केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री, श्रीमती निर्मला सीतारमन से मिला। इस दौरान, राजस्थान के फाइनेंशियल और इकोनॉमिक डेवलपमेंट, इन्वेस्टमेंट को बढ़ावा देने और कॉर्पोरेट सेक्टर से जुड़े मामलों से जुड़े कई ज़रूरी टॉपिक पर बातचीत हुई।

-भजनलाल शर्मा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इंडोनेशिया के सबसे बड़े नागरिक सम्मान 'बिनटांग अदिपूर्णा' से सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित सम्मान भारत के बढ़ते इंटरनेशनल कद और भारत और इंडोनेशिया के बीच लगातार मजबूत होते रिश्तों का गर्व भरा प्रतीक है।

-दिया कुमारी

दिल्ली के नानकपुरा रिज में 'एक पेड़ माँ के नाम' कैंपेन के तहत पेड़ लगाए गए। मोदी का यह कैंपेन पर्यावरण बचाने और प्रकृति के प्रति हमारी संस्कृति के सम्मान के संकल्प का प्रतीक बन रहा है। दिल्ली सरकार इस कैंपेन से जुड़कर दिल्ली रिज को फिर से जीवंत करने का काम कर रही है।

-अमित शाह

प्रेरक प्रसंग

समय की सत्ता

यूरोप में विजय प्राप्त कर नेपोलियन बोनापार्ट को लगने लगा था कि अब उसे कोई पराजित नहीं कर सकता। एक दिन एक वृद्ध ने मुस्कुराकर पूछा, 'महाराज, क्या आपने पूरी दुनिया जीत ली?' नेपोलियन ने गर्व से उत्तर दिया, 'लगभग।' फिर पूछा, 'तो क्या समय भी आपके आदेश से चलता है? क्या मृत्यु को रोक सकते हैं? क्या कल का सूरज आपकी इच्छा से उगेगा?' नेपोलियन कुछ क्षण मौन रहा। 'नहीं, यह किसी मनुष्य के वश में नहीं।' वृद्ध बोला, 'फिर संसार का सूत्रधार बनने का भ्रम मत पालिए। जो समय को नहीं जीत सकता, वह दुनिया का स्वामी भी नहीं हो सकता।' नेपोलियन ने इस बात पर ध्यान नहीं दिया। कुछ वर्षों बाद वाटरलू में उसकी पराजय हुई। विश्व-विजेता कहलाने वाला सम्राट सेंट हेलेना के एक छोटे-से द्वीप पर निर्वासित कर दिया गया। एक शाम वह समुद्र की लहरों को निहार रहा था। तभी उसे वही वृद्ध याद आया। उसने अपनी मुट्ठी में थोड़ी-सी मिट्टी उठाई और धीमे से मुस्कुराया। 'जिस धरती को जीतने निकला था, अंत में उसी की मुट्ठी भर मिट्टी ने मेरी औकात बता दी।' उस क्षण उसे समझ आ गया कि सिंहासन पर बैठने वाला सूत्रधार नहीं होता, वह भी समय की बिसात पर चलने वाला एक मोहरा भर होता है।

सामयिक

भारत की पहचान योग, आयुर्वेद, शुद्ध आहार, नैतिक जीवन-मूल्यों और सर्वे भवन्तु सुखिनः की संस्कृति से रही है। यह पहचान तभी सार्थक होगी जब हमारे भोजन, दवाइयों और उपभोग की वस्तुओं में शुद्धता और विश्वसनीयता सुनिश्चित हो। एक ऐसा भारत, जहां भोजन विश्वास का प्रतीक हो, जहां दवा जीवन का संरक्षण करे, जहां व्यापार नैतिकता पर आधारित हो और जहां उपभोक्ता निश्चिंत होकर बाजार से वस्तुएं खरीद सके-वही विकसित भारत का वास्तविक स्वरूप होगा। आज समय हमें पुकार रहा है कि हम विकास की ऊंची इमारतों के साथ चरित्र की मजबूत नींव भी रखें। यदि मिलावट समाप्त नहीं हुई, तो हमारी सारी प्रगति खोखली सिद्ध होगी।

मिलावट है भारत के सपनों पर विषनुमा दाग

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

भारत आज विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत का संकल्प राष्ट्रीय चेतना का हिस्सा बन चुका है। आधुनिक राजमार्ग, बुलेट ट्रेन, डिजिटल क्रांति, अंतरिक्ष में नई उपलब्धियां और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की प्रगति निश्चय ही गौरव का विषय हैं। लेकिन इन सबके बीच एक ऐसा कलंक है, जो इस समस्त प्रगति के माथे पर काले धब्बे की तरह दिखाई देता है- मिलावट। यह केवल खाद्य पदार्थों में मिलावट नहीं, बल्कि मनुष्य की आत्मा, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व में आई मिलावट का भी प्रतीक है। यह किसी भी सभ्य समाज के लिए अत्यंत शर्मनाक स्थिति है कि एक ओर चिकित्सक रोगियों को स्वास्थ्य लाभ के लिए दूध, घी, फल, पनीर और पौष्टिक आहार लेने की सलाह देते हैं, वहीं दूसरी ओर बाजार में वही दूध डिटर्जेंट और यूरिया से भरा मिलता है, घी में जानलेवा रसायन मिलते हैं, फलों को जहरीले रसायनों से पकाया जाता है और दवाइयों तक में नकलीपन प्रवेश कर चुका है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि आखिर स्वस्थ जीवन की आशा किससे की जाए? नये भारत, विकसित भारत एवं मजबूत भारत का सबसे बड़ा हो- मिलावट-मुक्त भारत।

यह विडंबना केवल उपभोक्ता की नहीं, पूरे राष्ट्र की है। जिस देश की संस्कृति 'अन्नं ब्रह्म' और 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' का संदेश देती हो, वहां भोजन ही यदि विष बन जाए तो इससे बड़ी त्रासदी और क्या हो सकती है? हाल के ही दिनों में देश के विभिन्न भागों से मिलावट के अनेक भयावह मामले सामने आए हैं। कहीं हजारों लीटर नकली दूध पकड़ा जाता है, कहीं करोड़ों रुपये का नकली शहद, कहीं मिलावटी घी, मावा और मसाले बरामद होते हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि जीवन बचाने वाली दवाइयों में भी नकली और घटिया सामग्री का उपयोग पाया गया। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध अपराध है। जो व्यक्ति लाभ कमाने के लिए किसी बच्चे, गर्भवती महिला, वृद्ध या बीमार व्यक्ति के भोजन और दवा में जहर घोल देता है, वह केवल व्यापारी नहीं, समाज का अपराधी है।

दरअसल, मिलावट का सबसे बड़ा कारण केवल आर्थिक लालच नहीं, बल्कि नैतिक पतन है। पहले समाज में यह भावना थी कि दूसरों को कष्ट देकर कभी सुख नहीं मिल सकता। लोग ईश्वर, धर्म और समाज की नैतिक मर्यादाओं से डरते थे। आज परिस्थितियां बदल गई हैं। त्वरित धन अर्जित करने की अंधी दौड़ ने संवेदनाओं को कुचल दिया है। अब कुछ लोगों के लिए मुनाफा ही धर्म बन गया है, चाहे उसकी कीमत किसी की जान क्यों न हो। यह स्थिति केवल स्वास्थ्य संकट नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक विकास का भी प्रश्न है। मिलावटी खाद्य पदार्थ कैंसर, किडनी, लीवर, हृदय रोग, हार्मोन असंतुलन और बच्चों में कुपोषण जैसी गंभीर बीमारियों को जन्म देते हैं। इससे स्वास्थ्य सेवाओं पर भारी बोझ बढ़ता है, परिवार आर्थिक संकट में फंसते हैं और राष्ट्र की उत्पादक क्षमता प्रभावित होती है। दूसरी ओर, जब भारतीय खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता पर प्रश्नचिह्न लगते हैं, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में हमारी विश्वसनीयता भी कमजोर होती है। विकसित भारत का सपना केवल ऊंची इमारतों और तेज आर्थिक विकास से पूरा नहीं होगा; उसके लिए स्वस्थ नागरिक और शुद्ध खाद्य व्यवस्था अनिवार्य है।

विडंबना यह भी है कि हमारे यहां कानून तो हैं, लेकिन उनका प्रभावी क्रियान्वयन नहीं है। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, निरीक्षण तंत्र और विभिन्न एजेंसियां मौजूद हैं, फिर भी मिलावट का कारोबार फल-फूल रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण भ्रष्टाचार, निरीक्षण व्यवस्था की कमजोरी, मुकदमों में देरी और दंड का अभाव है। त्योहारों पर कुछ छोटे दुकानदारों पर कार्रवाई करके प्रशासन अपनी जिम्मेदारी पूरी मान लेता है, जबकि बड़े नेटवर्क अक्सर बच निकलते हैं। जब तक दोषियों को त्वरित और कठोर दंड नहीं मिलेगा, तब तक यह विषैला कारोबार समाप्त नहीं होगा। आज आवश्यकता केवल कानूनों की नहीं, बल्कि कठोर राजनीतिक इच्छाशक्ति की है। हर जिले में आधुनिक खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित हों। मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब गांव-गांव और शहर-शहर पहुंचें। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ब्लॉकचेन आधारित आपूर्ति श्रृंखला और डिजिटल ट्रैकिंग जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग करके उत्पादन से लेकर उपभोक्ता तक हर स्तर पर निगरानी सुनिश्चित की जाए। नकली दवाइयों और मिलावटी खाद्य पदार्थों के मामलों के लिए विशेष फास्ट ट्रैक अदालतें बनाई जाएं, ताकि कुछ महीनों के भीतर दोषियों को सजा मिल सके। ऐसे अपराधों को सामान्य आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य के विरुद्ध जघन्य अपराध' घोषित किया जाना चाहिए। लेकिन केवल सरकार सब कुछ नहीं कर सकती। समाज की भी उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी है। उपभोक्ताओं को जागरूक बनना होगा। प्रमाणित उत्पादों का उपयोग, संदिग्ध वस्तुओं की शिकायत, स्थानीय स्तर पर जन-जागरण अभियान और विद्यालयों, महाविद्यालयों, सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं द्वारा नैतिक शिक्षा का प्रसार अत्यंत आवश्यक है। यदि समाज मिलावट को केवल अपराध नहीं, बल्कि सामाजिक बहिष्कार योग्य कृत्य मानने लगे, तो इस बुराई पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है।

विकसित भारत का अर्थ केवल आर्थिक समृद्धि नहीं होता। विकसित राष्ट्र वह है जहां नागरिक बिना भय के भोजन कर सकें, जहां दवा जीवन बचाए, जहां व्यापार विश्वास पर आधारित हो और जहां ईमानदारी आर्थिक सफलता का आधार बने। जापान, जर्मनी और अनेक विकसित देशों की सफलता का रहस्य केवल तकनीक नहीं, बल्कि गुणवत्ता और नैतिक अनुशासन भी है। भारत यदि विश्वगुरु बनने का स्वप्न देखता है, तो उसे सबसे पहले अपने बाजार को विश्वास का बाजार बनाना होगा। आज आवश्यकता एक नए राष्ट्रीय अभियान की है-मिलावट-मुक्त भारत अभियान'। जिस प्रकार स्वच्छ भारत अभियान ने जनभागीदारी से व्यापक परिवर्तन की शुरुआत की, उसी प्रकार मिलावट के विरुद्ध भी राष्ट्रीय आंदोलन खड़ा किया जाना चाहिए। यह केवल सरकारी योजना नहीं, बल्कि जनचेतना का अभियान बने। प्रत्येक नागरिक यह संकल्प ले कि वह न मिलावट करेगा, न मिलावट को बढ़ावा देगा और न ही मिलावट करने वालों को सामाजिक सम्मान देगा।

हमें यह भी समझना होगा कि मिलावट केवल किसी दूसरे के परिवार को नहीं, अंततः पूरे समाज को नुकसान पहुंचाती है। जो व्यापारी आज मिलावट कर रहा है, उसका अपना परिवार भी इसी समाज में रहता है। उसके बच्चे भी इसी हवा में सांस लेते हैं, इसी बाजार से वस्तुएं खरीदते हैं। इसलिए मिलावट वास्तव में दूसरों के लिए नहीं, अपने ही भविष्य के लिए जहर तैयार करना है। स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर वर्ष 2047 का भारत तभी वास्तव में विकसित कहलाएगा, जब उसकी पहचान केवल आर्थिक शक्ति से नहीं, बल्कि शुद्धता, विश्वसनीयता और नैतिकता से होगी। हमें ऐसा भारत बनाना है जहां दूध में दूध हो, दवा में दवा हो, भोजन में जीवन हो और व्यापार में विश्वास हो। यही सच्चे अर्थों में आत्मनिर्भर, समृद्ध और विकसित भारत की पहचान होगी।

भारत की पहचान योग, आयुर्वेद, शुद्ध आहार, नैतिक जीवन-मूल्यों और सर्वे भवन्तु सुखिनः की संस्कृति से रही है। यह पहचान तभी सार्थक होगी जब हमारे भोजन, दवाइयों और उपभोग की वस्तुओं में शुद्धता और विश्वसनीयता सुनिश्चित हो। एक ऐसा भारत, जहां भोजन विश्वास का प्रतीक हो, जहां दवा जीवन का संरक्षण करे, जहां व्यापार नैतिकता पर आधारित हो और जहां उपभोक्ता निश्चिंत होकर बाजार से वस्तुएं खरीद सके-वही विकसित भारत का वास्तविक स्वरूप होगा। आज समय हमें पुकार रहा है कि हम विकास की ऊंची इमारतों के साथ चरित्र की मजबूत नींव भी रखें। यदि मिलावट समाप्त नहीं हुई, तो हमारी सारी प्रगति खोखली सिद्ध होगी। इसलिए सरकार कठोर कानून बनाए, प्रशासन निर्भीक कार्रवाई करे, न्यायपालिका त्वरित दंड सुनिश्चित करे और समाज नैतिक जागरण का बिगुल फूंके। आइए, आज ही संकल्प लें-शुद्ध आहार, स्वस्थ परिवार। मिलावट-मुक्त भारत, विकसित भारत का आधार।' यही संकल्प 2047 के भारत को केवल आर्थिक महाशक्ति ही नहीं, बल्कि नैतिक, स्वस्थ और विश्वसनीय राष्ट्र भी बनाएगा।

नजरिया

यूपी में 2027 से पहले राम के नाम पर छिड़ी नई सियासी जंग

अजय कुमार

मोबाइल : 9335566111

लखनऊ की सियासत में इन दिनों जो हलचल दिख रही है, वह पिछले कई बरसों से चली आ रही तस्वीर से बिल्कुल अलग है। अब तक समाजवादी पार्टी को पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक यानी पीडीए के सहारे मैदान में उतरने वाली पार्टी के रूप में देखा जाता रहा है, लेकिन 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले अखिलेश यादव का रुख जिस तरह बदला है, उसने पुराने राजनीतिक समीकरणों को भी हिला दिया है। पार्टी दफ्तर में भजन-कीर्तन, सुंदरकांड का पाठ और अयोध्या-चित्रकूट से बुलाए गए साधु-संतों का आशीर्वाद लेने जैसी तस्वीरें अब सामान्य होती जा रही हैं। यही वजह है कि राजनीतिक विश्लेषक इसे अखिलेश यादव की सोची-समझी 'सॉफ्ट हिंदुत्व' रणनीति बता रहे हैं। गौर करने वाली बात यह है कि यह बदलाव अचानक नहीं आया। बीते कुछ महीनों में अखिलेश यादव मंदिरों में दर्शन करते, ज्योतिष और धार्मिक मान्यताओं का जिक्र करते और भंडारों में शामिल होते देखे गए हैं। इटावा में केदारेश्वर मंदिर बनवाने की पहल हो या रामचरितमानस बांटने जैसे कदम, सपा मुखिया लगातार यह संदेश देने की कोशिश में हैं कि भगवान राम किसी एक पार्टी की बपौती नहीं, बल्कि पूरे समाज की आस्था हैं। साथ ही वे यह भी जोड़ते हैं कि आस्था के नाम पर राजनीति करना गलत है, जिसका सीधा निशाना सत्तारूढ़ भाजपा पर है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस को एक खास समुदाय की पार्टी बताकर मिली सियासी बढ़त से सपा ने साफ सबक लिया है, और यही वजह है कि अखिलेश अब मुस्लिम मुद्दों पर पहले जैसी मुखरता से बचते नजर आते हैं।

राजनीतिक हलकों में इसी बदलाव को 'डायमंड कट्स डायमंड' यानी लोहे को लोहे से काटने वाला फॉर्मूला कहा जा रहा है। मतलब साफ है, योगी आदित्यनाथ के तीखे हिंदुत्व और धार्मिक राष्ट्रवाद का जवाब अब सपा पुरानी धर्मनिरपेक्षता की भाषा से नहीं बल्कि खुद धर्म की जमीन पर उतरकर देना चाहती है। इसके पीछे तर्क यह है कि यूपी जैसे बड़े राज्य में सत्ता की चाबी बहुसंख्यक सनातनी मतदाता को नाराज करके हासिल नहीं की जा सकती। सपा की रणनीति में अयोध्या और आसपास के इलाकों के स्थानीय संत-महंत, कबीरपंथी और रैदासी परंपरा के अनुयायी, गाजीपुर-पूर्वांचल के सिद्धपीठों से जुड़े लोग अहम भूमिका निभा सकते हैं। साथ ही ज्योतिष्पीठ और गोवर्धन पीठ की तरफ से मंदिर निर्माण प्रक्रिया पर पहले उठाए गए सवालों को भी सपा वक्त-वक्त पर हवा देती रही है, ताकि सवर्ण और प्रबुद्ध तबके का एक हिस्सा भाजपा से छिटक सके। इस पूरी रणनीति को असली धार अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे को लेकर सामने आए विवाद ने दी है। मंदिर के दान-चढ़ावे में गड़बड़ी और चोरी के आरोपों की जांच एसआईटी कर रही है, और विपक्ष इसे आस्था के नाम पर हुई वित्तीय अनियमितता बताकर सरकार को घेर रहा है। स्थानीय दुकानदारों के विस्थापन का मुद्दा भी इससे जुड़ गया है। सपा के लिए अयोध्या अब बचाव की नहीं बल्कि हमले की जमीन बन चुकी है, वहीं भाजपा इसके जवाब में अयोध्या के वैश्विक स्तर के विकास और सुंदरीकरण को अपनी उपलब्धि के तौर पर पेश कर रही है।

इस बीच एक तीसरा कोण भी उभर आया है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी बहराइच से चुनावी शंखनाद कर चुके हैं और मुस्लिम राजनीति के खाली मैदान पर अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं। सपा का सॉफ्ट हिंदुत्व की तरफ झुकाव ओवैसी को यह मौका दे रहा है कि वे खुद को मुस्लिम समुदाय के वैकल्पिक राजनीतिक चेहरे के तौर पर पेश करें, जिससे अखिलेश की राह और जटिल हो सकती है।

दूसरी तरफ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी अपने तेवर नरम नहीं होने दिए हैं। हाल ही में प्रतापगढ़ पहुंचे सीएम योगी ने करीब 384 करोड़ रुपये की 111 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया, साथ ही बिहार लोक सेवा आयोग की परीक्षा में 593 अंकों के साथ टॉप करने वाली स्थानीय छात्रा श्रद्धा पांडे को मंच पर सम्मानित कर आईपैड भेंट किया। जनसभा में उन्होंने वक्फ बोर्ड की जमीनों को लेकर विपक्ष पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि गरीबों के हक की हजारों हेक्टेयर जमीन वक्फ के नाम पर बेची गई, लेकिन कांग्रेस और सपा ने कभी इस पर सवाल नहीं उठाया। मंदिर चढ़ावे की जांच पर उन्होंने भरोसा जताया कि एसआईटी सच सामने लाकर रहेगी और दोषियों पर पहले ही कार्रवाई हो चुकी है।योगी आदित्यनाथ ने सपा और कांग्रेस को घेरते हुए यह भी याद दिलाया कि जब राम मंदिर आंदोलन चरम पर था, तब कारसेवकों पर गोली चलाने का समर्थन करने वाले लोग आज सिर्फ चुनावी फायदे के लिए धार्मिक आस्था की बात कर रहे हैं। भाजपा नेतृत्व लखनऊ के शक्ति केंद्र संयोजक सम्मेलन के जरिए पहले ही यह संकेत दे चुका है कि पार्टी विकास और हिंदुत्व के अपने मूल एजेंडे से पीछे नहीं हटेगी।

इस बीच एक तीसरा कोण भी उभर आया है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी बहराइच से चुनावी शंखनाद कर चुके हैं और मुस्लिम राजनीति के खाली मैदान पर अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं। सपा का सॉफ्ट हिंदुत्व की तरफ झुकाव ओवैसी को यह मौका दे रहा है कि वे खुद को मुस्लिम समुदाय के वैकल्पिक राजनीतिक चेहरे के तौर पर पेश करें, जिससे अखिलेश की राह और जटिल हो सकती है। कुल मिलाकर 2027 का मुकाबला अब सिर्फ जातीय समीकरणों तक सीमित नहीं रह गया है। एक तरफ भाजपा विकास और कड़े हिंदुत्व की धार के साथ मैदान में है, तो दूसरी तरफ सपा पीडीए, सामाजिक न्याय और धार्मिक-सांस्कृतिक स्वीकार्यता का मिश्रण तैयार कर रही है। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि अगर सपा हिंदू मतदाताओं के एक हिस्से को साधने में कामयाब रहती है तो भाजपा के लिए यह चुनाव पहले से ज्यादा चुनौतीपूर्ण हो सकता है, जबकि दूसरा पक्ष यह भी कहता है कि हिंदुत्व के मुद्दे पर भाजपा की वैचारिक पकड़ अब भी बहुत मजबूत है और सिर्फ धार्मिक प्रतीकों के सहारे उसे चुनौती देना आसान नहीं होगा। यह प्रयोग आखिरकार कितना असरदार साबित होता है, इसका जवाब तो जनता 2027 में मतदान के दिन ही देगी।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

मेरे भीतर है भारतीय डीएनए : इंडोनेशिया के राष्ट्रपति

जकार्ता/भाषा। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने मंगलवार को कहा कि उनके भीतर भारतीय डीएनए है। उन्होंने अपने देशवासियों से भारत के अनुभवों से सीखने का आह्वान करते हुए कहा कि भारत ने इंडोनेशिया की सभ्यता और संस्कृति को गहराई से प्रभावित किया है। जकार्ता में भारतीय समुदाय के एक कार्यक्रम में राष्ट्रपति सुबियांतो ने कहा कि पद संभालने के सिर्फ़ तीन महीने बाद ही 2025 में भारत के गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होना उनके लिए सम्मान की बात है। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और इंडोनेशिया के वरिष्ठ मंत्री शामिल हुए। इंडोनेशिया के पहले राष्ट्रपति सुकर्णो के 1950 में भारत के पहले गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि बनने का उल्लेख करते हुए सुबियांतो ने कहा कि दोनों देशों के बीच हमेशा से मैत्रीपूर्ण संबंध रहे हैं।

उन्होंने कहा, ''भारत की अपनी राजकीय यात्रा से ठीक पहले मैंने जीनोम अनुक्रमण परीक्षण कराया था। जब मेरे डीएनए की जांच हुई तो पता चला कि उसमें भारतीय डीएनए भी है।'' हल्के-फुल्के अंदाज में उन्होंने कहा, ''शायद यही वजह है कि जब भी मैं कोई संगीत सुनता हूं, खासकर भारतीय संगीत, तो मेरे पैर अपने आप थिरकने लगते हैं।'' मुस्कुराते हुए उन्होंने कहा, ''मेरे मंत्री, मेरे जनरल, सभी को नाचना और गाना पसंद है। शायद उनमें से ज्यादातर के डीएनए में भी भारतीय अंश हो।'' सुबियांतो ने कहा कि वह सभी भारतीयों के दोस्त हैं, लेकिन वह प्रधानमंत्री मोदी के बहुत ''बड़े प्रशंसक'' हैं और उन्होंने उनकी कई नीतियों को अपनाया है।

उन्होंने कहा, ''इंडोनेशिया के लोगों को भारत के अनुभवों से सीखना चाहिए। हमारी सभ्यता और संस्कृति पर भारतीय सभ्यता का गहरा प्रभाव है। हमारी भाषा का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा संस्कृत से आया है। हमारे कई नाम भी संस्कृत मूल के हैं। इसलिए हमारे बीच एक विशेष निकटता है और हम दोनों देशों के बीच और अधिक घनिष्ठ सहयोग का स्वागत करते हैं।'' इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुबियांतो को ''भारत का सच्चा मित्र'' बताया। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति की भारतीय डीएनए संबंधी टिप्पणी का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा, आपके इस बयान ने भारतवासियों का दिल छू लिया है।

मोदी आज इंडोनेशिया के प्रम्बानन मंदिर जाएंगे; परिसर के संरक्षण में सहायता करेगा भारत

जकार्ता/भाषा। भारत, योग्याकार्ता स्थित यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल 'प्रम्बानन मंदिर परिसर' के संरक्षण और जीर्णोद्धार में इंडोनेशिया की मदद करेगा। इस परियोजना पर काम करने के लिए मंगलवार को दोनों देशों ने 'आशय पत्र' का आदान-प्रदान किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 8 जुलाई को प्रम्बानन मंदिर परिसर की यात्रा करेंगे। वह राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के निमंत्रण पर इंडोनेशिया में हैं। मोदी सोमवार को जकार्ता पहुंचे, जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। यह उनके तीन देशों के दौरे का पहला चरण है - जिसमें ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड भी शामिल हैं - ताकि 2018 की भारत-इंडोनेशिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत व्यापार, सुरक्षा और दुर्लभ मृदा खनिज जैसे क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत किया जा सके।

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति प्रबोवो ने मंगलवार को द्विपक्षीय संबंधों को प्रगाढ़ करने और शांतिपूर्ण हिंद-प्रशांत क्षेत्र बनाने के तरीकों पर बातचीत की। विदेश मंत्रालय ने बताया कि दोनों नेताओं के बीच बातचीत के बाद, महत्वपूर्ण खनिज और दुर्लभ मृदा खनिज, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, शिक्षा, चुनावी प्रक्रियाओं, दूरसंचार, कृषि, समुद्री सुरक्षा, अंतरिक्ष, स्टील आपूर्ति श्रृंखला, आपदा प्रबंधन, मेडिकल उत्पाद के नियमन और स्वास्थ्य कार्यबल में सहयोग जैसे क्षेत्रों में समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान हुआ। मंत्रालय ने कहा, योग्याकार्ता में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल 'प्रम्बानन मंदिर परिसर' के संरक्षण और जीर्णोद्धार के लिए भारत के समर्थन से जुड़े एक आशय पत्र का भी आदान-प्रदान किया गया।''

मोदी ने यहां संयुक्त प्रेस वार्ता में कहा, ''कल मुझे योग्याकार्ता में राष्ट्रपति प्रबोवो के साथ मिलकर प्रम्बानन मंदिर की संरक्षण परियोजना की शुरुआत करने का अवसर मिलेगा। एक हज़ार साल से भी अधिक पुराना प्रम्बानन मंदिर, भारत और इंडोनेशिया की साझा सांस्कृतिक विरासत का एक शाश्वत प्रतीक है।'' यूनेस्को की वेबसाइट के अनुसार, 10वीं सदी में इंडोनेशिया में निर्मित एवं भगवान शिव को समर्पित सबसे बड़ा मंदिर परिसर है। इसके केंद्र में स्थित तीन प्रमुख मंदिरों की दीवारों पर रामायण महाकाव्य को उकेरा गया है। ये मंदिर हिंदू धर्म के तीन प्रमुख देवताओं - ब्रह्मा, विष्णु और महेश - को समर्पित हैं। इसके अलावा तीन अन्य मंदिर उन पशुओं को समर्पित हैं, जिन्हें इन देवताओं का वाहन माना जाता है। बाद में, भारत और इंडोनेशिया की ओर से जारी संयुक्त वक्तव्य में कहा गया, दोनों नेताओं ने योग्याकार्ता स्थित यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल प्रम्बानन मंदिर परिसर के संरक्षण और पुनरुद्धार के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा भारत समर्थित परियोजना की शुरुआत का स्वागत किया। मोदी की यात्रा से पहले विदेश मंत्रालय में सचिव (पूर्व) रुद्रेंद्र टंडन ने 3 जुलाई को पत्रकारों से बातचीत में कहा था कि भारत और इंडोनेशिया वहां (प्रम्बानन मंदिर परिसर) के संरक्षण कार्य में सहयोग करेंगे। संयुक्त वक्तव्य के अनुसार, इंडोनेशिया ने भारत के राष्ट्रीय संग्रहालय द्वारा मूल नालंदा ताम्रपत्र की प्रतिकृति भेंट किए जाने की भी सराहना की। यह ताम्रपत्र लगभग 860 ईस्वी का है, जिस पर संस्कृत में अभिलेख अंकित हैं। यह प्रतिकृति अब मुआरा जांबी के नये संग्रहालय में प्रदर्शित की गई है। दोनों नेताओं ने अगस्त 2023 में वाराणसी में आयोजित जी20 संस्कृति मंत्रियों की बैठक में अंगीकार किये गए काशी सांस्कृतिक मार्ग में निहित सिद्धांतों का उल्लेख किया। उन्होंने सांस्कृतिक विरासत से जुड़े मामलों पर दोनों देशों की सरकारों के बीच लगातार परामर्श के महत्व को रेखांकित किया। परामर्श में दोनों देशों के संबंधित कानूनों और प्रक्रियाओं के अनुरूप तथा मित्रता और आपसी सम्मान की भावना के साथ जारी रखने की बात कही गई है।

पहली बार पर्दे पर दिखेगी ऋचा चड्ढा और अली फजल की जोड़ी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्री ऋचा चड्ढा और अभिनेता अली फजल इंडस्ट्री के पसंदीदा कपल्स में गिने जाते हैं। शादी के बाद दोनों कभी किसी एक फिल्म में नजर नहीं आए। अब पहली बार दर्शकों को यह मौका मिलने जा रहा है। ऋचा और अली जल्द ही अभिनेता, लेखक और निर्देशक शाशी वर्मा की दिल्ली की पृष्ठभूमि पर आधारित एक सिचुएशनल कॉमेडी फिल्म में साथ दिखाई देंगे। इस फिल्म को लेकर दोनों कलाकार काफी उत्साहित हैं और उनका कहना है कि यह उनके लिए बिल्कुल नया अनुभव होने वाला है। आईएएनएस से बात करते हुए ऋचा चड्ढा ने कहा, फिल्म की कहानी ने मुझे शुरुआत से ही आकर्षित किया। यह रोजमर्रा की जिंदगी की छोटी-छोटी परिस्थितियों से हास्य पैदा करती है। सबसे खास बात यह है कि हंसी के बीच फिल्म समाज के बारे में एक महत्वपूर्ण बात भी कहती है। उन्होंने आगे कहा, दिल्ली पर आधारित कहानी में वापसी करना मेरे लिए कई प्यारी यादें भी लेकर आया, क्योंकि मेरी शुरुआती स्कूली पढ़ाई वहीं हुई है। अली और मैं पहले भी फिल्मों में नजर आ चुके हैं, लेकिन पर्दे पर इस तरह के रिश्ते को हमने कभी नहीं निभाया। अली बहुत सहज कलाकार हैं और मैं इस नई ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को लेकर उत्साहित हूं।वहीं, अली फजल ने भी इस फिल्म को लेकर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि असली कॉमेडी वही होती है, जो वास्तविक लोगों और उनकी रोजमर्रा की जिंदगी से निकलकर आती है, न कि बढ़ा-चढ़ाकर दिखाए गए किरदारों से।

अली ने कहा, कॉमेडी सबसे अच्छी तब लगती है, जब वह वास्तविक लोगों से जुड़ी हो। इस फिल्म की सबसे खास बात यह है कि हर किरदार में कमियां, अलग-अलग आदतें और भावनात्मक सच्चाई है। यही बात इसके हास्य को और ज्यादा असरदार बनाती है। उन्होंने आगे कहा, ऋचा के साथ ऐसी कहानी में काम करना, जिसमें हम पहली बार एक-दूसरे के अपोजिट हैं, मेरे लिए बेहद खास है। इतने सालों से हम एक-दूसरे को पेशेवर तौर पर जानते हैं, लेकिन इस तरह साथ काम करने का मौका पहली बार मिला है। इसलिए यह अनुभव सचमुच रोमांचक है। निर्देशक जिस तरह रोजमर्रा की जिंदगी को बारीकी से देखते हैं और उसे सिनेमा में उतारते हैं, वह मुझे हमेशा पसंद आया है। उनके साथ काम करने का मौका मिला तो मैंने तुरंत हामी भर दी।

गौरतलब है कि ऋचा चड्ढा और अली फजल इससे पहले सुपरहिट 'फुकरे' फिल्म फ्रेंचाइजी में साथ नजर आ चुके हैं। हालांकि, उन फिल्मों में दोनों की जोड़ी नहीं दिखाई गई थी। यह पहली फिल्म होगी, जिसमें दोनों मुख्य किरदारों के रूप में एक-दूसरे के अपोजिट नजर आएंगे। सीनवर्क प्रोडक्शंस और गिरिराज प्रोडक्शंस के बैनर तले बनने वाली इस अनटाइटल्ड सिचुएशनल कॉमेडी में अभिनेता कुमुद मिश्रा भी अहम भूमिका निभाते नजर आएंगे।

फिल्म निर्माता बोनी कपूर की बेटी अंशुला कपूर और फिल्म निर्देशक रोहन ठक्कर ने की शादी

नयी दिल्ली/भाषा

फिल्म निर्माता बोनी कपूर की बेटी अंशुला कपूर और पटकथा लेखक एवं निर्देशक रोहन ठक्कर यहां विवाह के बंधन में बंध गए। अंशुला ने सोमवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शादी समारोह की कई तस्वीरें साझा कीं। तस्वीरों में वह और रोहन एक-दूसरे का हाथ थामे नजर आ रहे हैं।

अंशुला, बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर की बहन और बोनी कपूर तथा दिवंगत मोना शौरी कपूर की बेटी हैं। अंशुला और रोहन कई वर्षों से एक-दूसरे के साथ रिश्ते में थे। दोनों ने पिछले साल अक्टूबर में सगाई की थी। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपनी सगाई की घोषणा की थी। अंशुला कपूर हाल में रियलिटी सीरीज 'द ट्रेटर्स' में नजर आई थीं। इसके प्रस्तोता करण जौहर थे।

केंद्र फिल्म 'सतलुज' को आईटी नियमों के तहत अंतर-विभागीय समिति के पास भेजेगा

नयी दिल्ली/भाषा

केंद्र सरकार अभिनेता दिलजीत दोसांझ अभिनीत फिल्म ''सतलुज'' को सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) नियम, 2021 के तहत गठित अंतर-विभागीय समिति करेगी। यह समिति ओटीटी प्लेटफॉर्म और डिजिटल समाचार प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित सामग्री से संबंधित शिकायतों पर विचार करती है और अपनी सिफारिशें सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को भेजती है। इस समिति में सूचना एवं प्रसारण, गृह, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी, महिला एवं बाल विकास, विदेश, रक्षा तथा विधि एवं न्याय मंत्रालयों के प्रतिनिधि शामिल हैं।

इसके अलावा, सरकार आवश्यकता के अनुसार अन्य मंत्रालयों के प्रतिनिधियों और विषय विशेषज्ञों को भी समिति में शामिल कर सकती है। समिति अपनी जांच के बाद कई तरह के कदमों की सिफारिश कर सकती है। इनमें चेतावनी जारी करना, माफी या स्पष्टीकरण देने का निर्देश, सामग्री का पुनर्वर्गीकरण या उसमें संशोधन कराना शामिल है। आवश्यकता पड़ने पर सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 69ए के तहत सामग्री को हटाने या उस तक पहुंच अवरुद्ध करने की सिफारिश भी की जा सकती है। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर प्रदर्शित सामग्री केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) की प्रमाणन व्यवस्था के दायरे में नहीं आती और इसका नियमन आईटी नियम, 2021 के भाग-तीन के तहत किया जाता है।

इन नियमों में एक आचार संहिता निर्धारित की गई है, जिसके तहत प्रकाशकों/प्रसारकों को ऐसी सामग्री प्रकाशित/प्रसारित करते समय विशेष सावधानी बरतनी होती है, जो भारत की संप्रभुता और अखंडता, देश की सुरक्षा, दूसरे देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों या लोक व्यवस्था को प्रभावित कर सकती हो। हालांकि, वर्ष 2021 में बंबई उच्च न्यायालय ने आईटी नियमों के तहत लागू आचार संहिता के संचालन पर रोक लगा दी थी। बाद में मद्रास उच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि यह रोक पूरे देश में प्रभावी मानी जाएगी।

हालांकि, आईटी नियमों में आपातकालीन परिस्थितियों के लिए भी एक विशेष प्रावधान मौजूद है। नियम 16 के तहत, ऐसे मामलों में जहां किसी प्रकार की देरी स्वीकार्य न हो, अधिकृत अधिकारी संबंधित सामग्री की जांच कर यह निर्धारित कर सकता है कि वह सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 69ए(1) में उल्लिखित आधारों के दायरे में आती है या नहीं। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को कहा था कि केंद्र सरकार ने ''सुरक्षा संबंधी चिंताओं'' और सूचना प्रौद्योगिकी नियम 2021 के तहत दायित्वों का हवाला देते हुए जी5 को 'सतलुज' को हटाने का निर्देश दिया था।

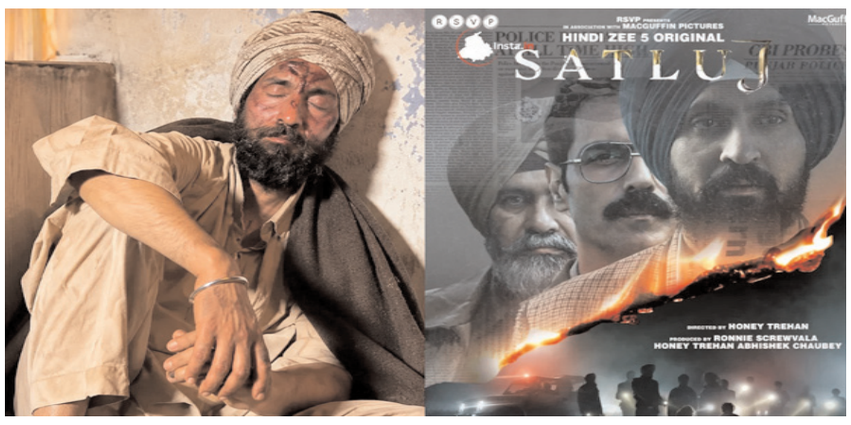

सतलुज पर रोक और सिनेमा की आजादी: क्या इतिहास के कठिन सवालों से अब भी घबराता है हमारा तंत्र ?

मुंबई/एजेन्सी

साल 1995 में पंजाब से एक ऐसी घटना सामने आई जिसने पूरे देश को झकझोर दिया। मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा को उनके अमृतसर स्थित घर के बाहर से कथित तौर पर पुलिसकर्मी उठाकर ले गए। इसके बाद वह कभी वापस नहीं लौटे। परिवार लगातार न्याय की गुहार लगाता रहा। मामला अदालतों तक पहुंचा, जांच हुई और वर्षों चली कानूनी प्रक्रिया के बाद इस प्रकरण में कई पुलिस अधिकारियों को दोषी ठहराया गया। हालांकि, आज तक जसवंत सिंह खालड़ा का शव बरामद नहीं हो सका। यही अधूरा सच आज भी भारतीय लोकतंत्र और न्याय व्यवस्था के सामने कई असहज सवाल खड़े करता है। जसवंत सिंह खालड़ा उस दौर में चर्चा में आए थे जब उन्होंने पंजाब में उग्रवाद विरोधी अभियान के दौरान कथित तौर पर बड़ी संख्या में अज्ञात शवों के अंतिम संस्कार और मानवाधिकार उल्लंघन से जुड़े मामलों पर दस्तावेजी जानकारी जुटाई थी। उनके दावों ने देश-विदेश में व्यापक बहस छेड़ दी थी। यही कारण है कि उनके जीवन पर आधारित फिल्म 'पंजाब 95', जिसका नाम बाद में बदलकर 'सतलुज' रखा गया, शुरू से ही विवादों के केंद्र में रही। चार वर्षों तक प्रमाणन और कानूनी प्रक्रियाओं में उलझने के बाद जब फिल्म अंततः प्रदर्शित हुई, तो महज दो दिन बाद ही उसे भारत में मंच से हटा दिया गया। इसके साथ ही एक बार फिर वही पुराना सवाल उठ खड़ा हुआक्या भारत में इतिहास के संवेदनशील अध्यायों को सिनेमा के माध्यम से दिखाना आज भी आसान नहीं है? जी5 ने आधिकारिक बयान जारी कर फिल्म को भारत में अनुपलब्ध करने की पुष्टि की और कहा कि कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद इसे दोबारा उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। लेकिन इस घटनाक्रम ने एक बार फिर उस बहस को जीवित कर दिया है, जो आजाद भारत में दशकों से चल रही हैक्या भारत में सिनेमा को इतिहास के कठिन अध्याय दिखाने की पूरी आजादी है, या फिर कुछ सच आज भी पर्दे तक नहीं पहुंच सकते?

किसी भी लोकतांत्रिक देश में सिनेमा केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं होता। वह समाज का आईना भी होता है, इतिहास का दस्तावेज भी और कई बार सत्ता से सवाल पूछने का सबसे प्रभावशाली जरिया भी। यही कारण है कि दुनिया भर में कई ऐसी फिल्में बनीं, जिन्होंने सरकारों को असहज किया। भारत भी इससे अछूता नहीं रहा।

यदि केवल 'सतलुज' की बात करें तो यह विवाद नया नहीं है। यह फिल्म मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा के जीवन और पंजाब के उस दौर से प्रेरित बताई जाती है, जब आतंकवाद, फर्जी मुठभेड़ों और लापता लोगों के मामलों पर लगातार सवाल उठते रहे। निर्देशक हनी त्रेहान पहले ही सार्वजनिक रूप से कह चुके हैं कि फिल्म को प्रमाणन के दौरान अनेक संशोधनों की मांग का सामना करना पड़ा।

शीर्षक बदलने से लेकर कई दृश्यों और संदर्भों पर आपत्तियां जताई गईं। सवाल यह नहीं है कि सेंसर बोर्ड को आपत्ति जताने का अधिकार है या नहीं। सवाल यह है कि क्या दर्शकों को स्वयं तय करने का अधिकार नहीं होना चाहिए कि वे क्या देखना चाहते हैं? दरअसल, 'सतलुज' पहली फिल्म नहीं है, जिसने ऐसी स्थिति का सामना किया हो। भारतीय सिनेमा का इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा पड़ा है।

'लॉक अप 2' में माधुरी जैन ग्रोवर के बयान पर विवाद

मुंबई/एजेन्सी

रियलिटी शो 'लॉकअप' सीजन 2 अक्सर अपने कंटेस्टेंट्स की निजी बातों और तीखे बयानों को लेकर चर्चा में रहता है। शो का फॉर्मेट ही ऐसा है कि यहां कंटेस्टेंट्स अपनी जिंदगी से जुड़े ऐसे खुलासे करते हैं जो कई बार दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर देते हैं और कई बार विवाद भी खड़ा कर देते हैं। इसी कड़ी में इस बार बिजनेसमैन अशनीर ग्रोवर की पत्नी और कंटेस्टेंट माधुरी जैन ग्रोवर का एक बयान सामने आया है, जिस पर लोग अब अलग-अलग राय दे रहे हैं। हाल ही के एक एपिसोड में माधुरी जैन ग्रोवर ने बताया कि वह और उनके पति अशनीर ग्रोवर तीसरा बच्चा चाहते थे लेकिन उनके परिवारों ने इस फैसले का समर्थन नहीं किया। उन्होंने कहा कि परिवार की सहमति न मिलने के कारण उन्होंने यह प्लान छोड़ दिया। हालांकि असली विवाद उनके इस निजी खुलासे से ज्यादा उनके आगे दिए गए विचारों को लेकर शुरू हुआ। शो में उन्हें यह कहते हुए सुना गया- ''तीसरा बच्चा इंसान को ज्यादा जवान रखता है। अगर आप देखें तो शाहरुख खान जैसे कई अमीर लोगों के भी तीन बच्चे हैं। 'हम दो हमारे दो' का कॉन्सेप्ट हर किसी पर लागू नहीं होता। जितने अमीर लोग ज्यादा बच्चे पैदा करेंगे, उतनी अमीरी बढ़ेगी और जितने गरीब लोग ज्यादा बच्चे पैदा करेंगे, उतनी गरीबी बढ़ेगी।''

उनके इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। कई यूजर्स ने इसे गलत सोच और समाज को बांटने वाला बयान बताया।एक यूजर ने लिखा, 'यह बयान दिखाता है कि कुछ लोगों को यह समझ नहीं है कि इकॉनोमी कैसे काम करती है या डेमोग्राफी कैसे होती है।

हेमा मालिनी को कैसे मिला था 'ड्रीम गर्ल' का नाम?

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री हेमा मालिनी को लोग आज भी प्यार से 'ड्रीम गर्ल' कहकर बुलाते हैं। फैंस को अक्सर लगता है कि यह नाम उन्हें उनकी साल 1977 में आई फिल्म 'ड्रीम गर्ल' की वजह से मिला था। सच यह है कि यह पहचान उन्हें बॉलीवुड में कदम रखने से पहले ही मिल गई थी। उनकी कोई पहली हिंदी फिल्म रिलीज भी नहीं हुई थी, तब निर्माता ने उन्हें 'ड्रीम गर्ल' के रूप में पेश करना शुरू कर दिया था। वर्षों बाद खुद हेमा मालिनी ने इस दिलचस्प किस्से का खुलासा किया और बताया कि कैसे एक निर्माता की सोच ने उनकी पूरी जिंदगी की पहचान तय कर दी।

हेमा मालिनी ने यह खुलासा कॉमेडियन कपिल शर्मा के शो 'द कपिल शर्मा शो' में किया था। बातचीत के दौरान उन्होंने बताया, ''जब मेरी पहली हिंदी फिल्म 'सपनों का सौदागर' रिलीज होने वाली थी, तब फिल्म के निर्माता बी. आनंदस्वामी ने प्रमोशन के लिए एक अलग रणनीति बनाई।

उन्होंने हर जगह 'ड्रीम गर्ल कमिंग टू टाउन' लिखवाना शुरू कर दिया। उस समय कहीं भी मेरा नाम नहीं लिखा जाता था। यह देखकर मैं खुद हैरान थीं कि आखिर मेरा नाम क्यों नहीं दिख रहा है।''

हेमा मालिनी ने बताया, ''मैंने निर्माता से इस बारे में सवाल भी किया था तब निर्माता ने मुझसे कहा- ''यही तुम्हारी नई पहचान बनने वाली है। पहले लोगों के बीच 'ड्रीम गर्ल' का नाम लोकप्रिय होगा और बाद में बताया जाएगा कि यह 'ड्रीम गर्ल' आखिर है कौन। इसके बाद तुम्हारा नाम सामने लाया जाएगा।' निर्माता की यह योजना सफल रही और देखते ही देखते लोग मुझे 'ड्रीम गर्ल' के नाम से पहचानने लगे।''

साल 1968 में रिलीज हुई 'सपनों का सौदागर' हेमा मालिनी की पहली हिंदी फिल्म थी। इस फिल्म का निर्देशन महेश कौल ने किया था, जबकि निर्माता बी. आनंदस्वामी थे। फिल्म में उनके साथ हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता राज कपूर मुख्य भूमिका में नजर आए थे। फिल्म के गीतों को मशहूर संगीतकार जोड़ी शंकर-जयकिशन ने संगीत दिया था। इसी फिल्म के जरिए हेमा मालिनी ने बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की और आगे चलकर हिंदी सिनेमा की सबसे सफल अभिनेत्रियों में शामिल हो गईं।

दिलचस्प बात यह रही कि करीब नौ साल बाद साल 1977 में हेमा मालिनी ने 'ड्रीम गर्ल' नाम की फिल्म में भी मुख्य भूमिका निभाई। इस फिल्म का निर्देशन प्रमोद चक्रवर्ती ने किया था। फिल्म में उनके साथ अशोक कुमार, धर्मेंद्र और प्रेम चोपड़ा जैसे कलाकार नजर आए थे।

फिल्म की कहानी एक ऐसी युवती की थी, जो अनाथालय चलाने के लिए अलग-अलग रूप धारण कर लोगों से पैसे जुटाती है। हेमा मालिनी ने इस फिल्म में सपना, पद्मा, चंपाबाई, ड्रीम गर्ल और राजकुमारी समेत पांच अलग-अलग किरदार निभाए थे, जिन्हें दर्शकों ने खूब पसंद किया।

'रहूं मैं तेरे रूबरू' को लेकर संजय गुप्ता की टिप्पणी से छिड़ी बहस

मुंबई/एजेन्सी

'रहूं मैं तेरे रूबरू' का टीज़र रिलीज़ होने के बाद से ही सोशल मीडिया पर इसकी काफी चर्चा हो रही है। दर्शकों ने टीज़र में दिखाए गए रोमांस, मिस्ट्री और सस्पेंस की तारीफ की है। वहीं फिल्म की नई स्टारकास्ट और अलग कहानी ने भी लोगों का ध्यान खींचा है। लेकिन फिल्म की चर्चा के बीच एक ऐसा विवाद शुरू हो गया, जिसने पूरे मुद्दे को एक नई दिशा दे दी। यह फिल्म किसी बड़े सुपरस्टार, मशहूर फिल्म परिवार या बड़े बैनर की नहीं है। 'रहूं मैं तेरे रूबरू' के जरिए आर्या कुमार, नीता शेट्टी और पीहू बिस्वास जैसे नए कलाकार दर्शकों के सामने आ रहे हैं। इनके साथ पूरी टीम ने अपने सपनों और मेहनत के दम पर इस फिल्म को बनाया है। हर नए कलाकार और फिल्ममेकर की तरह इन्हें भी सिर्फ अपने काम के जरिए दर्शकों तक पहुंचने का एक मौका चाहिए। विवाद की शुरुआत तब हुई जब जाने-माने ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म द पर फिल्म के टीज़र की तारीफ करते हुए पोस्ट शेयर की। तारण आदर्श वर्षों से छोटे-बड़े बजट और नए-पुराने सभी तरह की फिल्मों को अपने प्लेटफॉर्म पर जगह देते रहे हैं।

हालांकि संजय गुप्ता ने अपने पोस्ट में फिल्म का नाम नहीं लिया, लेकिन यह टिप्पणी तारण आदर्श की 'रहूं मैं तेरे रूबरू' वाले पोस्ट पर की गई थी। ऐसे में सोशल मीडिया पर कई लोगों ने इसे सीधे इस फिल्म और उसके प्रमोशन से जोड़कर देखा। इसके बाद सोशल मीडिया पर बहस शुरू हो गई। कई लोगों का मानना था कि इस तरह की सार्वजनिक टिप्पणियां नई फिल्मों और नए कलाकारों का मनोबल गिराती हैं। लोगों ने सवाल उठाया कि क्या बिना फिल्म देखे सिर्फ उसके प्रमोशन को लेकर इस तरह की बातें करना सही है? इस बीच वरिष्ठ पत्रकार उपाला केबीआर ने संजय गुप्ता की टिप्पणी पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए लिखा कि किसी वरिष्ठ ट्रेड एनालिस्ट पर इस तरह सार्वजनिक टिप्पणी करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री को केवल बड़े बजट की फिल्मों की नहीं, बल्कि छोटे और मिड-बजट की फिल्मों की भी जरूरत है।

उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा कि नए निर्देशक, नए कलाकार और नई फिल्में भी प्रोत्साहन की हकदार हैं। हर बड़ा निर्देशक और अभिनेता कभी न कभी नया ही था। अगर शुरुआत में उन्हें मौका और समर्थन नहीं मिलता, तो वे आज इस मुकाम तक नहीं पहुंच पाते। उपाला के इस जवाब को सोशल मीडिया पर काफी समर्थन मिला। कई लोगों ने कहा कि भारतीय सिनेमा हमेशा इसलिए आगे बढ़ा क्योंकि यहां हर तरह की फिल्मों को जगह मिली। बड़े स्टार्स की फिल्मों के साथ-साथ छोटे बजट और नए फिल्मकारों की फिल्मों ने भी इंडस्ट्री को नई पहचान दी है।

इस पूरे विवाद ने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया हैक्या नए कलाकारों और स्वतंत्र फिल्मकारों को दर्शकों के फैसले से पहले ही हतोत्साहित किया जाना चाहिए?स्वतंत्र फिल्मकारों के लिए सबसे बड़ी चुनौती अपनी फिल्म को लोगों तक पहुंचाना होती है। उनके पास न बड़े स्टार होते हैं, न भारी-भरकम मार्केटिंग बजट और न ही बड़े प्रोडक्शन हाउस का सहारा। ऐसे में किसी प्रतिष्ठित ट्रेड एनालिस्ट या पत्रकार का एक सकारात्मक पोस्ट उनकी फिल्म को दर्शकों तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभा सकता है।

आंतरिक दरिद्रता का संकेत है जीवन में विवेक का अभाव : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ नॉर्थ टाउन स्थित एएमकेएम जैन स्थानक में विराजित क्रांतिकारी प्रवचनकार ओजस्वी वक्ता श्री कपिल मुनि जी म.सा. ने मंगलवार को प्रवचन के दौरान कहा कि मनुष्य के जीवन में धन का अभाव उतना घातक नहीं होता, जितना विवेक का अभाव। आर्थिक दरिद्रता केवल बाहरी परिस्थितियों को प्रभावित करती है किंतु विवेक की दरिद्रता मनुष्य के संपूर्ण व्यक्तित्व, उसके निर्णयों, संबंधों और अंततः उसके भविष्य को प्रभावित करती है। वास्तव में जीवन में विवेक की कमी आंतरिक दरिद्रता का सबसे बड़ा संकेत है। उन्होंने आगे कहा किविवेक का अभाव व्यक्ति को मोह, क्रोध, लोभ, अहंकार और आवेश का बंदी बना देता है। ऐसे क्षणों में वह वही कर बैठता है, जिसका पश्चाताप उसे जीवन भर करना पड़ता है। कितने ही संबंध एक क्षण के अविवेक से टूट जाते हैं, कितनी ही प्रतिष्ठाएँ एक गलत निर्णय से धूल में मिल जाती हैं और कितने ही उज्ज्वल भविष्य एक असावधान कदम से अंधकारमय हो जाते हैं। इसलिए विवेक की कमी जीवन की दुर्दशा और दुर्गति का प्रमुख कारण है। मुनिश्री ने कहा कि जो है, जहाँ है और जितना है, उसमें संतुष्ट रहना ही शांति का पहला नियम है। वर्तमान में मनुष्य औरों के साथ

अधिक तुलना का शिकार है। उसके दुःख का कारण अभाव नहीं बल्कि दूसरों की उपलब्धियाँ हैं। तुलना की अग्नि में जलता हुआ मन कभी शांत नहीं रह सकता। जो व्यक्ति अपने सुख का आधार दूसरों की स्थिति को बना लेता है, वह जीवन भर अशांत रहता है। इसलिए विवेक का तकाजा है कि तुलना नहीं, आत्मपरीक्षण किया जाए। इस संसार में कोई भी उपलब्धि संयोग या संयोगवश प्राप्त हुई कृपा मात्र नहीं है। प्रत्येक प्राप्ति के पीछे कर्मों का सूक्ष्म विज्ञान कार्य करता है। व्यक्ति को उतना ही मिलता है, जितनी उसकी पात्रता होती है। पात्रता केवल योग्यता का नाम नहीं वह विनम्रता, संयम, सत्यनिष्ठा, सेवा, त्याग, सदाचार और संचित पुण्यवानी का समन्वित स्वरूप है। बिना पात्रता के प्राप्त वैभव टिकता नहीं यह सत्य स्मरण रखने योग्य है कि जिसके पास जितनी पुण्य की पूंजी होती है, उसे उतना ही सुख, यश और सम्मान प्राप्त होता है। यदि वर्तमान परिस्थितियाँ मनोनुकूल नहीं हैं, तो शिकायत करने के बजाय पुण्य अर्जित करने का मार्ग अपनाना चाहिए। शिकायत का नजरिया मनुष्य को कमजोर बना देता है शिकायत का अर्थ है–परिस्थितियों की जिम्मेदारी सदैव दूसरों पर डालना। इसके विपरीत अहोभाव व्यक्ति को कृतज्ञ बनाता है। अहोभाव का अर्थ है जो मिला उसके प्रति धन्यवाद, जो नहीं मिला उसके प्रति धैर्य, और जो प्राप्त करना है उसके लिए पुरुषार्थ। कृतज्ञ व्यक्ति अभावों में भी आनंद ढूँढ़ लेता है इसलिए जीवन की दिशा शिकायत से नहीं, अहोभाव से बदलती है। धर्मसभा का संचालन सहमंत्री ज्ञानचंद कोठारी ने किया।

एफआईएएफए ने की वित्त मंत्री के साथ मंत्रणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। एफआईएएफए ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारामण के साथ आरबीआई के एनओएफ मानदंडों और अन्य प्रमुख एनबीएफसी मुद्दों पर सार्थक बैठक की। फेडरेशन ऑफ इंडियन एसेट फाइनेंसियर्स एसोसिएशंस (एफआईएएफए) ने केंद्रीय वित्त मंत्री के साथ गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) क्षेत्र से संबंधित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक अत्यंत उपयोगी और सार्थक बैठक की, विशेष रूप से भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित बढ़ी हुई नेट ओन्ड फंड (एनओएफ) आवश्यकताओं से उत्पन्न चुनौतियों पर। बैठक के दौरान, एफआईएएफए ने देश भर में छोटे और मध्यम आकार के परिसंपत्ति वित्तपोषण एनबीसीएफसी द्वारा निर्धारित समय सीमा के भीतर बढ़े हुए एनओएफ मानदंडों को पूरा करने में आ रही कठिनाइयों पर प्रकाश डाला।

इस बात पर जोर दिया गया कि कई लंबे समय से स्थापित और अच्छा प्रदर्शन करने वाली गैर-वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी), जो वाणिज्यिक वाहनों, निर्माण उपकरणों, ट्रैक्टरों और अन्य उत्पादक संपत्तियों के वित्तपोषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, सुदृढ़ व्यावसायिक प्रथाओं और मजबूत पुनर्भुगतान रिकॉर्ड बनाए रखने के बावजूद काफी दबाव में हैं। एफआईएएफए ने वित्त मंत्री से अनुरोध किया कि वे छोटे परिसंपत्ति वित्तपोषण कंपनियों के लिए उपयुक्त राहत उपायों पर विचार करें, जिनमें एनओएफ आवश्यकताओं में छूट, समयसीमा का विस्तार या एक अलग नियामक ढांचा पेश करना शामिल है।

प्रतिनिधिमंडल ने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे उपाय वित्तीय समावेशन को बनाए रखने और परिवहन संचालकों, लघु एवं मध्यम उद्यमों, किसानों और अर्थव्यवस्था के अन्य वंचित क्षेत्रों को निर्बाध ऋण प्रवाह सुनिश्चित करने में मदद करेंगे। फेडरेशन ने एनबीएफसी उद्योग को प्रभावित करने वाले विभिन्न अन्य मुद्दों पर भी चर्चा की, जिनमें नियामक अनुपालन चुनौतियां, अधिक अनुकूल कारोबारी माहौल की आवश्यकता और भारत के आर्थिक विकास में परिसंपत्ति वित्तदाताओं के योगदान को मजबूत करने के उपाय शामिल हैं। प्रतिनिधिमंडल ने इस बात पर जोर दिया कि राष्ट्रीय वित्तीय संस्थान (एनबीएफसी) अंतिम छोर तक ऋण पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और विशेष रूप से ग्रामीण और अर्ध-शहरी भारत में उद्यमिता, स्वरोजगार और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। महासंघ के पदाधिकारियों ने एफआईएएफए द्वारा उठाए गए उपरोक्त मुद्दों के संबंध में वित्त मंत्री को एक विस्तृत ज्ञापन प्रस्तुत किया।

महावीर इंटरनेशनल के स्थापना दिवस पर त्रिदिवसीय कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। महावीर इंटरनेशनल चेन्नई मेट्रो द्वारा महावीर इंटरनेशनल के 52वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 4 से 6 जुलाई को त्रिदिवसीय कार्यक्रम हुए। 'भावना दीन रात मेरी' प्रार्थना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

इस दौरान पुलियांतोप स्थित डाग सेल्टर में करीब 300 कुत्तों को दुध, बिस्कुट, मावा व खीर खिलाया गया। साथ ही कौवों को नमकीन दिया गया। चेतपेट स्थित सर्वोदय गर्ल्स हॉस्टल में सहयोगी मातुश्री कमला बाई सोमचंद धुला दिलीप मेहता परिवार द्वारा करीब 105 अनाथ लड़कियों को नाश्ता

खिलाया गया। साथ ही सभी लड़कियों को पेन, पेन्सिल, स्केल, रबड़, स्केच पेन आदि पाठ्य सामग्री वितरण की गई। वहां पर आश्रम को 10 पौधे के गमले प्रदान किए गये। ओटेरी स्थित पिंजरापोल गौशाला में करीब 1000 गायों को पालक व हरा घास खिलाया गया। साथ ही वहां पर कबुतरों को दाना डाला गया। सहयोगी मातुश्री कमला बाई सोमचंदधुला दिलीप मेहता परिवार ने तीनों दिन का स्पांसर किया।

चेयरमैन विजयराज कटारिया ने सभी का स्वागत करते हुए सहयोगी परिवार का आभार व्यक्त किया। अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष ज्ञानचंद कोठारी ने स्थापना दिवस पर सभी को बधाई दी व कहा कि सभी इसी तरह मानव सेवा व जीव दया के कार्य करते रहें। कार्यक्रम को सफल बनाने में चेयरमैन विजयराज कटारिया, सचिव दिलीप मेहता, अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष ज्ञानचंद कोठारी, सूचना प्रभारी अजीत नागोरी, आई केम्प डाइरेक्टर नरेश खीचा, गौशाला डाइरेक्टर राजेन्द्र बेताला, कोषाध्यक्ष पुनमचंद माण्डोत आदि ने सेवाएं प्रदान की।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तार्किक चिंतन एवं जिज्ञासु प्रवृत्ति के साथ आगे बढ़े छात्र : डॉ एम बी मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शैक्षिक गतिविधियों की श्रृंखला के तहत साहूकारपेट स्थित श्री एजी जैन हायर सेकेंडरी स्कूल में डिफेन्स रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (डीआरडीओ) के सेवानिवृत्त वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ एमबी मोदी ने अपने प्रेरक व्याख्यान में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि छात्र अपने जीवन में वैज्ञानिक दृष्टिकोण तार्किक चिंतन एवं जिज्ञासा की भावना के साथ अध्ययन कर जीवन में निरंतर कुछ नया सीखते हुए आगे बढ़े।

अपने उद्बोधन में डॉ. मोदी ने क्वांटम विज्ञान जैसे जटिल विषय को अत्यंत सरल, रोचक और प्रभावशाली शैली में

विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत किया। उन्होंने आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधानों और भारतीय ज्ञान-परंपरा के विभिन्न आयामों के बीच संभावित संबंधों पर विचार रखते हुए विद्यार्थियों से जीवन में कुछ बड़ा हासिल करने के लिए प्रेरित किया। डॉ मोदी ने इस अवसर पर विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए उनके द्वारा पूछे गए प्रश्नों का वैज्ञानिक तथ्यों, सहज उदाहरणों और प्रभावशाली तर्कों के माध्यम से उत्तर दिया इस बीच डॉ मोदी ने विद्यार्थियों को नोटपैड एवं लेखनी भेंट स्वरूप प्रदान किया। कार्यक्रम के शुभारंभ में डॉ मोदी को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में विद्यालय के पत्राचारक हनुमानचंद बोथरा, सचिव दलजीत सिंह ढढा, नेमीचंद सिंघवी, रिकम राज पुनमिया, पवन पोखरना, धीरज बालेचा, प्राचार्य डॉ जयश्री अंग्रेजी प्रवक्ता शिवकुमार त्रिपाठी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सुरेश एम रांका बने नवगठित माधावरम तेरापंथ सभा के प्रथम अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। महानगरीय परिसीमन के अंतर्गत जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के निर्देशानुसार नवगठित जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, माधावरम के प्रथम शपथग्रहण समारोह का आयोजन आचार्यश्री महाश्रमण तेरापंथ पब्लिक स्कूल में मुनिश्री डॉ. पुलकितकुमारजी के सान्निध्य में गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। नवगठित सभा के प्रथम अध्यक्ष के रूप में सुरेश कुमार एम. रांका का मनोनयन किया गया। उनके नेतृत्व में गठित कार्यकारिणी के पदाधिकारियों ने भी समारोह में पद एवं दायित्व की शपथ ग्रहण की।

तेरापंथी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेन्द्र नाहटा ने नवमनोनीत अध्यक्ष एवं समस्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएँ देते हुए पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई तथा संगठन की उन्नति के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया। अपने प्रेरक उद्बोधन में मुनिश्री डॉ. पुलकितकुमारजी ने कहा कि आचार्यश्री महाश्रमणजी की चातुर्मास्य स्थली से प्रारम्भ हो रही यह नई सभा धर्म, संगठन और समाज सेवा के क्षेत्र में एक सशक्त भूमिका निभाएंगी। उन्होंने नवगठित टीम से आध्यात्मिक गतिविधियों के विस्तार, संस्कार निर्माण, युवा सहभागिता तथा समाज विकास के कार्यों को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ नमस्कार महामंत्र के सामूहिक उच्चारण से हुआ।

तत्पश्चात अध्यक्ष सुरेश रांका ने अपनी कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए सभी पदाधिकारियों, कार्यसमिति सदस्यों को दायित्व निर्वहन की शपथ दिलाई। नवगठित कार्यकारिणी में अध्यक्ष सुरेश कुमार एम. रांका, वरिष्ठ उपाध्यक्ष करणराज एस. छल्लाणी, कनिष्ठ उपाध्यक्ष जसवंतकुमार जे. डागा, मंत्री पुखराज चोरड़िया, प्रथम सहमंत्री देवेन्द्र सुराणा, द्वितीय सहमंत्री मनीष वैदमुथा, कोषाध्यक्ष सुन्दर कोठारी, संगठन मंत्री चन्द्रप्रकाश छल्लाणी और सेवा प्रभारी विशाल एन. डागा।

बेंगलूरु पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 5.70 करोड़ के ड्रग्स जब्त, 11 तस्कर गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु पुलिस ने बड़ी कार्रवाई में लगभग 5.70 करोड़ रुपए कीमत के 35 किग्रा से ज्यादा प्रतिबंधित नशीले पदार्थ जब्त किए हैं। इसी के साथ पुलिस ने इस मामले में 11 कथित ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है, जिनमें दूसरे राज्यों के नौ लोग और दो स्थानीय निवासी शामिल हैं। मंगलवार को जारी एक आधिकारिक बयान में पुलिस ने कहा कि उन्होंने ऑपरेशन के दौरान 2 किलो एमडीएमए, 1.767 किलो हाइड्रो गांजा और 32.920 किलो गांजा जब्त किया। इसके अलावा पुलिस ने आरोपियों से 5.90 लाख रुपए नकद, दो आईफोन और एक दोपहिया वाहन भी बरामद किया। ऑपरेशन प्रतिबंधित नशीले पदार्थों की बिक्री के बारे में मिली जानकारी के आधार पर विद्यारण्यपुरा, जेबी नगर, देवनहल्ली और हेब्बागोडी पुलिस स्टेशनों के अधिकार क्षेत्र में चलाए गए।

पुलिस पूछताछ के दौरान आरोपियों ने कबूल किया कि उन्होंने आसानी से पैसे कमाने के लिए ड्रग्स बेचना शुरू किया था। उन्होंने जांचकर्ताओं को बताया कि वे दूसरे राज्यों के सप्लायर्स से कम कीमत पर नशीले पदार्थ खरीदते थे और उन्हें कॉलेज के छात्रों सहित आम लोगों को बहुत ज्यादा कीमतों पर बेचते थे। पुलिस ने कहा कि उन अज्ञात सप्लायर्स का पता लगाने और पकड़ने की कोशिशें जारी हैं, जिन्होंने आरोपियों को नशीले पदार्थ उपलब्ध कराए थे। मामले की जांच हर संभव पहलू से की जा रही है। वहीं, सभी 11 आरोपियों को संबंधित अदालतों में पेश किया गया और उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस बयान के अनुसार, ऑपरेशन्स का नेतृत्व डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (नॉर्थ ईस्ट) जीके. मिथुन कुमार, डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (ईस्ट) विक्रम अम्टे और डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी) एम नारायण ने किया।

जब्त किए गए सामान में विद्यारण्यपुरा पुलिस ने 2 किलो एमडीएमए बरामद किया, जिसकी कीमत लगभग 4 करोड़ रुपए है। जेबी नगर पुलिस ने 1.767 किलो हाइड्रो गांजा, 5.90 लाख रुपए नकद, दो आईफोन और एक दोपहिया वाहन जब्त किया। जब्त सामान की कुल कीमत लगभग 1.37 करोड़ रुपए आंकी गई है। बयान में कहा गया है कि देवनहल्ली पुलिस ने लगभग 16.70 लाख रुपए कीमत का 16.920 किलो गांजा जब्त किया, जबकि हेब्बागोडी पुलिस ने लगभग 16 लाख रुपए कीमत का 16 किलो गांजा बरामद किया। एक अन्य घटनाक्रम में बेंगलूरु पुलिस ने अपने मालिक के घर चोरी करने के आरोप में घरेलू सहायक को गिरफ्तार किया है और 262 ग्राम सोने के गहने, 2.366 किलो चांदी के बिस्कुट और चांदी की वस्तुएं, 65,000 रुपए नकद और पांच रेशमी साड़ियां बरामद की हैं। इसकी कुल कीमत 50 लाख रुपए आंकी गई है।

जयनगर के 5वें ब्लॉक की रहने वाली शिकायतकर्ता ने 9 अप्रैल को पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि उन्हें अपनी घरेलू सहायिका पर शक था, जो लगभग 18 वर्ष से उनके घर में काम कर रही थी। शिकायत के आधार पर जयनगर पुलिस स्टेशन में घर में चोरी का मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने पूछताछ के लिए घरेलू सहायिका को 22 जून को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान, उसने शिकायतकर्ता के घर से सोने के गहने, चांदी की चीजें, चांदी के बिस्कुट और नकदी चोरी करने की बात कबूल कर ली।

'एक कदम धर्म की ओर' प्रवचन माला का आयोजन

चेन्नई। यहां साहूकारपेट के बेसिन वाटर वर्क्स स्ट्रीट पर स्थित स्वाध्याय भवन में 'एक कदम धर्म की ओर' प्रवचन माला के अन्तर्गत वरिष्ठ स्वाध्यायी आर वीरेन्द्र कांकरिया ने कहा कि प्रभु की भक्ति में अनन्त शक्ति है। स्वाध्यायी बन्धु ने प्रभु के पत्र के अंशों का विवेचन करते हुए कहा कि प्रभु के प्रति आस्था करते हुए पूर्ण परिणाम पाने के लिए शान्त मन से प्रभु की भक्ति करें व आदर्श भक्तों की कहानियों को पढ़े। संसार की बाहरी चकाचौंध व पतनकारी निमित्तों से बचे। क्रूरता बढ़ाने वाले दृश्यों से बचे, वासना के रंगमंचों वाले नृत्यों से दूर रहे व तामसिक व आसक्ति भाव बढ़ाने वाले खाद्य पदार्थों के सेवन करने से बचे। हर कदम पर सावधानी रखें,हमारी सावधानी बढ़ती जाए। प्रभु के प्रति समर्पण करने वाले तनाव रहित हो जाते हैं। उपस्थित स्वाध्यायीगण ने श्रवण किए सूत्रों को अपने शब्दों में उच्चरित किया व जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ तमिलनाडु की ओर से आर नरेन्द्र कांकरिया ने श्रुत सेवा प्रदान करने हेतु वीरेन्द्र कांकरिया व स्वाध्यायी बन्धुवरों को साधुवाद ज्ञापित किया। स्वाध्यायी श्री गौतमचन्द मुणोत, इंदरचंद कर्णावट,रुपराज सेठिया, दीपक श्रीश्रीमाल, कमल चोरडिया महावीरचन्द बागमार, वीरेन्द्र ओस्तवाल, लीलमचन्द बागमार, उच्छबराज गांग सहित अनेक स्वाध्यायी बन्धुवर प्रवचन माला कार्यक्रम में सामायिक परिवेश में उपस्थित थे। कमल चोरडिया ने चिन्तन सूत्र आर नरेन्द्र कांकरिया ने तीन मनोरथ चिन्तन सूत्र व महावीरचन्द बागमार ने प्रत्याख्यान कराये।

कराबीनि सुविधा समागम कार्यक्रम

चेन्नई। यहां कर्मचारी राज्य बीमा निगम हितधारकों, बीमित व्यक्तियों, नियोक्ताओं और लाभार्थियों की शिकायतों के निवारण के लिए सुविधा समागम बैठक आयोजित कर रहा है। सुविधा समागम का आयोजन 8 जुलाई को अपराह्न 2.30 बजे क्षेत्रीय कार्यालय, 143, स्टर्लिंग रोड, नुंगम्बाक्कम में किया जाएगा। हितधारकों (नियोक्ताओं, कर्मचारियों और लाभार्थियों) से अनुरोध है कि, वे अपनी शिकायतों का निवारण करने के लिए इस अवसर का लाभ उठाएं। उक्त बैठक में हितधारकों के सुझावों और शिकायतों पर चर्चा की जाएगी।

मायुमं बेंगलूरु ने श्रीकृष्ण गौशाला में की गौसेवा एवं गौ पूजा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय मारवाड़ी युवा मंच (मायुमं), बेंगलूरु द्वारा बेगूर रोड स्थित श्रीकृष्ण गौशाला में गौ सेवा एवं पूजन का आयोजन किया जिसमें बड़ी संख्या में मंच के सदस्यों व परिवारजनों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंतर्गत गौ माता को हरा चारा, गुड़ एवं अन्य पौष्टिक आहार अर्पित किया गया तथा विधि-विधान पूर्वक गौ पूजन संपन्न हुआ। इसके अलावा मायुमं सदस्यों ने गौशाला में आवश्यक सामग्री व सहयोग राशि भेंट की। मंच के अध्यक्ष जयप्रकाश अग्रवाल, अंकित मोदी, सचिव विनोद गर्ग, कोषाध्यक्ष आशु मित्तल, कार्यक्रम के संयोजक मनीष मेहनसारिया, अमित गुप्ता एवं अशोक अग्रवाल आदि सभी मौजूद थे।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.